दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, होशंगाबाद संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा | वर्ष-23 अंक-69 | सीहोर, गुरूवार 30 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य -1 रूपये | सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता

सबरीमाला मंदिर मामले में सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली,(ए.)। सुप्रीम कोर्ट में केरल के सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े भेदभाव पर दायर याचिकाओं की सुनवाई के दौरान महत्वपूर्ण टिप्पणियां सामने आईं। बुधवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि भारत की सभ्यता और धार्मिक इतिहास को नजरअंदाज नहीं कर सकते, क्योंकि इसी पृष्ठभूमि से संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 बने हैं।

वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने दलील दी कि मंदिर में महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध भेदभावपूर्ण है और यह उनके संवैधानिक अधिकारों का सीधा उल्लंघन करता है। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने पहले महिलाओं के प्रवेश को अनुमति दी थी और अदालत के इस फैसले पर कोई स्थगन आदेश नहीं है, फिर भी प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। वकील जयसिंह ने सवाल उठाया कि क्या धर्म का अधिकार

संविधान में दिए गए समानता के अधिकारों से ऊपर हो सकता है। उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 14, 19 और 21 के तहत मिले अधिकारों को धर्म के नाम पर सीमित नहीं किया जा सकता।इस पर सुप्रीम कोर्ट में चर्चा के दौरान कहा गया कि धार्मिक परंपराओं और मौलिक अधिकारों के बीच संतुलन जरुरी है। जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि शीर्ष अदालत को यह देखना होगा कि क्या धार्मिक पहचान की रक्षा करते हुए संवैधानिक अधिकारों को पूरी तरह निष्प्रभावी कर सकते है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान मुद्दा उठा कि 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर रोक क्या समानता और गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है। अधिवक्ता ने कहा कि यह प्रावधान महिलाओं के जीवन के बड़े हिस्से को प्रभावित करता है और इस रोक को भेदभाव माना जाना चाहिए। वहीं, अदालत ने कहा कि किसी महिला को उसकी जाति के कारण प्रवेश से रोका नहीं गया है, बल्कि यह प्रतिबंध आयु और परंपरा से जुड़ा हुआ है।

वहीं सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने दलील दी कि देश के कई मंदिरों में परंपरागत नियम लागू हैं, इसलिए धार्मिक परंपराओं का सम्मान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री करेंगे उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण

स्लॉट बुकिंग एवं गेहूँ उपार्जन की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई की गई

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश में उपार्जन केंद्र पर चल रही गेहूँ

उपार्जन की प्रक्रिया का आने वाले दिनों में आकस्मिक निरीक्षण करेंगे और किसानों से संवाद कर व्यवस्थाओं की जानकारी लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को स्वयं यह जानकारी मीडिया से साझा की है। उन्होंने बताया कि वे निरीक्षण में देखेंगे कि निर्देशानुसार शासन-प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सभी सुविधाएं किसानों को प्राप्त हो रही है या नहीं। आकस्मिक निरीक्षण के लिए उनका हेलीकॉप्टर किसी भी समय, कहीं पर भी उतर सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों की सहूलियत के लिये गेहूँ उपार्जन एवं स्लॉट बुकिंग की अवधि 9 मई से बढ़ाकर 23 मई कर दी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 2 मई को इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के प्रथम चरण का करेंगे भूमि-पूजन

भोपाल, (निप्र.)। मध्यप्रदेश में औद्योगिक प्रगति को नई गति देने और निवेश के लिए दीर्घकालिक आधार तैयार करने की दिशा में इन्दौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर का प्रथम चरण एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में स्थापित हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आगामी 2 मई को इस परियोजना के प्रथम चरण का भूमि-पूजन करेंगे। यह कॉरिडोर केवल एक सड़क परियोजना नहीं, बल्कि प्रदेश की आर्थिक संरचना को अधिक संगठित, सक्षम और निवेश का आदर्श गंतव्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा।

देश में गैस की कोई किल्लत नहीं, कमर्शियल गैस की आपूर्ति पूरी तरह बहाल

नई दिल्ली,(ए.)। केंद्र सरकार ने देशभर में घरेलू उपभोक्ताओं के लिए एलपीजी, पाइप्ड नेचुरल गैस, और

परिवहन क्षेत्र के लिए सीएनजी की 100 प्रतिशत आपूर्ति सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि घरेलू गैस आपूर्ति पूरी तरह स्थिर है और किसी भी वितरक केंद्र पर गैस की कमी या सप्लाई बाधित होने की कोई सूचना नहीं है।एक अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि घरेलू एलपीजी की आपूर्ति सामान्य रूप से जारी है और देश के किसी भी एलपीजी वितरक केंद्र पर 'ड्राई-आउट' की स्थिति नहीं है।

एक्जिट पोल : बंगाल-केरल में बदलाव, असम-तमिलनाडु में वापसी

नई दिल्ली, (ए.)। मतदान बाद होने वाले सर्वे यानी एक्जिट पोल के अनुसार पश्चिम बंगाल में इस बार भाजपा सरकार बनाने के करीब नजर आ रही है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ गठबंधन की 10 साल बाद सत्ता में वापसी हो सकती है और वहीं तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक की वापसी की संभावना बनी हुई है। असम में भाजपा फिर सत्ता में स्पष्ट तौर पर लौटती दिखाई दे रही है।पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान समाप्त होने के साथ ही पांच राज्यों में चल रहे विधानसभा चुनावों से जुड़ी मतदान की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है। मतदान के अंतिम चरण के बाद विभिन्न सर्वे एजेंसियों और चैनलों के एक्जिट पोल आने शुरु हो गए हैं। खबर लिखे जाने तक जिनके आंकड़े प्राप्त हुए हैं उनके आधार पर पश्चिम बंगाल और केरल में बदलाव की प्रबल संभावना दिखाई दे रही है। बाकी तीन राज्यों में सत्तारूढ़ गठबंधन वापसी कर सकता है।

पश्चिम बंगाल: तृणमूल 130-149 सीट, भाजपा 134-155 सीट, अन्य 2-6 सीट

सर्वे बता रहे हैं पश्चिम बंगाल में अबतक का सबसे अधिक मतदान सत्तारूढ़ दल के खिलाफ जाता नजर आ रहा है। राज्य हाल ही में एसआईआर की प्रक्रिया से गुजरा है जो तृणमूल और चुनाव आयोग के बीच गतिरोध का भी कारण रहा। यहां सत्ता में तृणमूल और विपक्ष में भाजपा है। भाजपा पिछली बार 77 सीटों

तक सीमित रह गई थी। राज्य में 294 विधानसभा सीटें हैं और बहुमत के लिए 148 सीटें चाहिए।पश्चिम बंगाल में मैट्रिज ने तृणमूल 125-140, भाजपा 146-161, अन्य 6-10 का अनुमान दिया है। पी-मार्क के अनुसार तृणमूल 118-138, भाजपा 150-175, अन्य 2-6 । पीपुल्स पल्स ने तृणमूल 177-187, भाजपा 95-110, लेफ्ट 0-1, कांग्रेस 1-3, अन्य को 1-2 का अनुमान दिया है। पोल डायरी ने तृणमूल 99-127, भाजपा 142-171, लेफ्ट 2-3, कांग्रेस 3-5, अन्य 0-1 । जेवीसी ने तृणमूल 131-152, भाजपा 138-159, कांग्रेस 0-2 का अनुमान दिया है।

केरल: औसत एलडीएफ 55-64 सीट, यूडीएफ 73-82 सीट, एनडीए 2-5 सीट और अन्य 0-2

केरल में 10 साल बाद कांग्रेस गठबंधन यूडीएफ वापसी करता नजर आ रहा है, वहीं वामपंथी पार्टियों के नेतृत्व (एलडीएफ) वाली एकमात्र सरकार सत्ता से बाहर जाती दिखाई दे रही है। 140 सीटों वाली विधानसभा में जीतने के लिए 71 सीटें चाहिए।केरल में एक्सिस माई इंडिया के अनुसार एलडीएफ 49-62, यूडीएफ 78-90, एनडीए 0-3 सीटें पा सकता है। मैट्रिज ने एलडीएफ को 60-65, यूडीएफ को 70-75, एनडीए को 3-5, अन्य को 2-4 सीटें दी हैं। पीपुल्स पल्स का अनुमान है कि एलडीएफ 55-65, यूडीएफ 75-85, एनडीए 0-3 सीटें ले जा सकता है। पी-मार्क ने एलडीएफ 60-65, यूडीएफ 70-75, एनडीए 3-5 सीटों का अनुमान जताया है। जेवीसी के अनुसार एलडीएफ 52-61, यूडीएफ 72-84, एनडीए 3-7, अन्य 0 हैं। तमिलनाडु: द्रमुक 108-125 सीट, अन्नाद्रमुक 73-89, टीवीके 30-39 सीट और अन्य 1-4 सीटतमिलनाडु में सत्तारूढ़ दल द्रमुक की वापसी होती दिखाई दे रही है। यहां मुख्य मुकाबला क्षेत्रीय पार्टियों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के बीच ही रहा है।

पश्चिम बंगाल चुनाव के अंतिम चरण में छिटपुट हिंसा के बीच 91.41 प्रतिशत मतदान

कोलकाता, (ए.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच बंपर मतदान हुआ। राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों की 142 सीटों के लिए 91.41 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना चार मई को होगी और नतीजे भी दोपहर 12 बजे तक स्पष्ट हो जाएंगे कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी।निर्वाचन आयोग के मुताबिक सुबह 07 बजे शुरु हुए मतदान के बीच 9 बजे तक करीब 18 प्रतिशत, 11 बजे तक 39.97 प्रतिशत, दोपहर 01 बजे तक 61.11 प्रतिशत तथा दोपहर 03 बजे तक 78.68 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया था। पूर्व बर्धमान में सबसे अधिक 93.39 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया जबकि सबसे कम कोलकाता दक्षिण में 87.25 प्रतिशत मतदान हुआ है। इसके अलावा हुगली जिले में 91.41 प्रतिशत, हावड़ा में 90.93 प्रतिशत, कोलकाता उत्तर में 88.91 प्रतिशत मतदान हुआ है। नदिया जिले में 91.35 प्रतिशत, उत्तर 24 परगना में 91.39 प्रतिशत तथा दक्षिण 24 परगना में 91.45 प्रतिशत मतदान हुआ है।दूसरे और आखिरी चरण में कुल 1,448 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर सीट पर आमने-सामने हैं। इसके अलावा राज्य के मंत्री फिरहाद हकीम, अरूप बिश्वास, जावेद खान, सुजीत बसु, शशि पांजा समेत सत्तारूढ़ तृणमूल सरकार के कई मंत्री, बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार, माकपा की मीनाक्षी मुखर्जी और दीप्शिता धर शामिल हैं। इसके अलावा आरजी कर अस्पताल में दुष्कर्म और हत्या की शिकार हुई डॉक्टर की मां रत्ना देवनाथ एवं संदेशखाली आंदोलन का चेहरा रेखा पात्र भी भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार हैं।

युवक को नंगा कर पीटा, फिर चेहरे पर की पेशाब

भोपाल (आरएनएस)। कमला नगर में वर्चस्व की लड़ाई में बदमाशों ने एक युवक को अगवा किया। आरोपियों ने उसे निर्वस्त्र कर बेल्ट, लात-घूसों से पीटा। वह रहम की भीख मांगता रहा, लेकिन आरोपी पीटते रहे। आरोपियों ने उसके मुंह पर पेशाब भी किया। दहशत फैलाने के लिए वीडियो भी इंस्टाग्राम पर अपलोड किया था। इस मामले में हनुमानगंज थाना पुलिस ने चाकूबाजी का केस दर्ज किया, लेकिन आरोपी अभी गिरफ्तार नहीं हुए हैं।मामले की शिकायत रविवार को कमला नगर थाने पहुंची थी, जहां शुरुआती जांच हुई। जांच में घटनास्थल हनुमानगंज थाना क्षेत्र का मिला, जिसके बाद शिकायत वहां भेजी गई। हनुमानगंज पुलिस ने मंगलवार देर रात मामला दर्ज किया। घटना शनिवार की बताई गई है।हनुमानगंज थाना प्रभारी अवधेश सिंह भदौरिया ने बताया कि शिकायत पहले कमला नगर थाने में हुई थी। घटनास्थल छोला मंदिर थाना क्षेत्र का मिला, इसलिए जांच हनुमानगंज पुलिस को दी गई।

केदारनाथ धाम यात्रा के पहले सप्ताह में दो लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

देहरादून,(ए)। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। केदारनाथ धाम में कपाट खुलने के बाद से पहले सप्ताह में अब तक कुल दो लाख सात हजार चार सौ बावन श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं।रुद्रप्रयाग पुलिस की ओर से बुधवार दोपहर यात्रा के आंकड़े जारी किए गए। पुलिस ने सोशल मीडिया साइट के जरिए बताया कि बढ़ती भीड़ के बावजूद श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस बल ने प्रभावी व्यवस्थाएं की हैं। केदारनाथ धाम पहुंच रहे सभी श्रद्धालुओं को पंक्तिबद्ध कराकर सुगम दर्शन कराये जा रहें हैं और ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी श्रद्धालुओं से निरन्तर संवाद स्थापित कर कुशलक्षेम के साथ-साथ यात्रियों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार पहले सप्ताह में अब तक कुल दो लाख सात हजार

चार सौ बावन श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं।पुलिस ने अपनी पोस्ट में बताया कि प्रतिकूल मौसम के बावजूद ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल के स्तर से स्वयं के स्वास्थ्य को भी ध्यान में रखते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया जा रहा है। त्वरित सहायता के लिए यात्रा मार्ग पर आठ खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए हैं, जहां पुलिस बल की तैनाती की गई है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों में राहत कार्यों के लिए पुलिस बल, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ के साथ निरंतर समन्वय बनाकर कार्य कर रहा है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन के साथ ही मोबाइल या जरुरी सामान खोने पर वापस दिलवाने के साथ-साथ बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलवाया जा रहा है। श्रद्धालुओं के सहायतार्थ यात्रा मार्गों पर खोया पाया केन्द्र बनवाये गये हैं।

मार दिया तो मार दिया, कौन बड़ी बात

पुलिस की गोली से बिहारी युवक की मौत पर मांझी के बिगड़े बोले

नई दिल्ली,(ए.)। देश की राजधानी दिल्ली में पुलिस की गोली से बिहार के खगड़िया निवासी 23 वर्षीय युवक पांडव

कुमार की मौत का मामला अब एक बड़े राजनीतिक विवाद में तब्दील हो गया है। इस संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी द्वारा दी गई प्रतिक्रिया ने आग में घी डालने का काम किया है। दिल्ली पुलिस के कॉन्स्टेबल द्वारा की गई इस फायरिंग पर जब मांझी से सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह कौन सी बड़ी बात है भाई, मार दिया तो मार दिया। अगर पुलिस की गोली से मरा है, तो कोई न कोई बात जरूर रही होगी। इसकी जांच होगी और अगर मारने वाला गलत पाया गया, तो उस पर कार्रवाई की जाएगी। मांझी ने आगे तर्क दिया कि कोई जानबूझकर किसी को नहीं मारता, किसी पर शंका होने पर ही ऐसी स्थिति बनती है। उनके इस मार दिया तो मार दिया वाले बयान के बाद विपक्ष हमलावर हो गया है।इससे पहले बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस घटना को लेकर केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार पर तीखा प्रहार किया था।

भीषण गर्मी का दौर जारी, खजुराहो सबसे गर्म, भोपाल ने तोड़ा 10 साल का रिकॉर्ड

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश का पर्यटन स्थल खजुराहो मंगलवार को सबसे ज्यादा गर्म रहा, जहां तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं राजधानी भोपाल में पारा 43.6 डिग्री तक पहुंच गया, जो पिछले 10 वर्षों में दूसरा सबसे गर्म दिन और इस सीजन का अब तक का उच्चतम स्तर है।मौसम में बदलाव का कारण साइक्लोनिक सर्कुलेशन की सक्रियता को माना जा रहा है, जिसके चलते प्रदेश के उत्तरी हिस्सों ग्वालियर, चंबल और सागर संभाग में तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि बुधवार को 15 जिलों में लू चलने का अलर्ट जारी किया गया है, जिनमें ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा, विदिशा, सागर, रायसेन, मंडला और छिंदवाड़ा शामिल हैं।मौसम विभाग के अनुसार, ग्वालियर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना और रीवा में दिन के समय लू का असर रहेगा, जबकि शाम के बाद मौसम में बदलाव के साथ गरज-चमक और हल्की बारिश की संभावना है। इसके अलावा मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, बालाघाट, सिवनी और बैतूल में भी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेष रूप से दोपहर 12 से 3 बजे के बीच बिना जरूरी काम के घर से बाहर निकलने से बचने को कहा गया है, क्योंकि इस दौरान लू का प्रभाव सबसे अधिक रहता है। राजधानी भोपाल में भी फिलहाल गर्मी से राहत के आसार कम हैं।बीते मंगलवार को खजुराहो के अलावा कई शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार दर्ज किया गया। सीधी में 44.6 डिग्री और श्योपुर में 44 डिग्री तापमान रहा। वहीं रायसेन में 43.8 डिग्री, उमरिया में 43.5 डिग्री, खंडवा में 43.4 डिग्री, मुरैना में 43.3 डिग्री, मंडला में 43.2 डिग्री और रतलाम-दमोह में 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के प्रमुख शहरों में भी गर्मी का असर साफ दिखाई दिया। भोपाल में 43.6 डिग्री, इंदौर में 42.2 डिग्री, ग्वालियर और उज्जैन में 41 डिग्री तथा जबलपुर में तापमान 42.7 डिग्री सेल्सियस रहा।गौरतलब है कि भोपाल में गर्मी के रिकॉर्ड की बात करें तो साल 2017 से 2025 के बीच एक बार ही पारा 43.7 डिग्री पर गया है ।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में मतदान के दौरान ईवीएम खराब होने से हंगामा, 2 गिरफ्तार

कोलकाता(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण का मतदान के बीच, हावड़ा के बाली से हंगामे की खबर आई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, मतदान के दौरान बाली में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कथित खराबी की बात सामने आने पर लोग नाराज हो गए। इस दौरान कुछ लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया और सुरक्षा बलों से उलझ गए। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने 2 व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। मुख्यमंत्री और भाबनीपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार ममता बनर्जी ने मतदान के संचालन पर चिंता जताते हुए बाहरी पर्यवेक्षकों और सुरक्षाकर्मियों द्वारा हस्तक्षेप का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, बाहर से इतने सारे पर्यवेक्षक आए हैं। भाजपा जो कहती है, वही कर रही है। चारों ओर देखिए, हमारे सारे पोस्टर हटा दिए गए हैं। क्या इसी तरह चुनाव होते हैं? नए लोगों को हाल में लाया गया है और वे मनमानी कर रहे हैं, आतंकवाद फैला रहे हैं।

भोपाल स्लॉटर हाउस मामला आस्था से खिलवाड़, भ्रष्टाचार पर सरकार दे जवाब : अमित शर्मा

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव अमित शर्मा ने बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में भोपाल के स्लॉटर हाउस मामले को लेकर गंभीर आरोप लगाए है। उन्होंने कहा कि यह मामला केवल प्रशासनिक लापरवाही का नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की धार्मिक आस्था, सनातन परंपराओं और शासन-प्रशासन की जवाबदेही से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि जहांगीराबाद स्थित मॉडर्न स्लॉटर हाउस को लेकर पिछले कई महीनों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। इस मामले में असलम चमड़ा और उसके ड्राइवर की गिरफ्तारी हुई, लेकिन बाद में उन्हें जमानत मिल गई। उन्होंने सवाल उठाया कि इतना बड़ा अवैध कारोबार क्या केवल एक व्यक्ति के भरोसे संचालित हो सकता है?अमित शर्मा ने आरोप लगाया कि भोपाल की महापौर और एमआईसी सदस्यों ने पहले मामले की जानकारी से इनकार किया, जबकि दस्तावेज कुछ और ही कहानी बताते हैं। उन्होंने दावा किया कि 24 अक्टूबर 225 को हुई एमआईसी बैठक में प्रस्ताव क्रमांक 6 के तहत स्लॉटर हाउस के कार्य को पूरा करने के लिए केवल 6 माह का समय विस्तार प्रस्तावित था। लेकिन बाद में इसी प्रक्रिया में बदलाव करते हुए बिना पेनल्टी के समय बढ़ाया गया और संचालन-संधारण का अनुबंध सीधे 2 वर्षों के लिए दे दिया गया। इसे उन्होंने गंभीर अनियमितता और सत्ता के दुरुपयोग का उदाहरण बताया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित पक्ष पर लगाई गई करोड़ों रुपये की पेनल्टी को पहले लगाया गया और फिर मिलीभगत से माफ कर दिया गया। अमित शर्मा ने कहा कि जिन जनप्रतिनिधियों ने जानकारी न होने की बात कही, उनके हस्ताक्षर दस्तावेजों में मौजूद हैं। इनमें महापौर मालती राय सहित कई एमआईसी सदस्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि जनता को गुमराह किया गया। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और मूल दस्तावेजों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने पूछा कि यदि सरकार गौ संरक्षण और धार्मिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध है, तो इस मामले पर सत्ता पक्ष के बड़े नेता मौन क्यों हैं? उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए, दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो और सच्चाई जनता के सामने लाई जाए। कांग्रेस ने स्पष्ट किया कि वह इस मुद्दे को लगातार उठाएगी और धार्मिक भावनाओं तथा भ्रष्टाचार से जुड़े हर पहलू को उजागर करेगी।

भोपाल में 13 दिन बाद गड्ढे में मिला लापता कारोबारी का शव, परिजनों को रिश्तेदारों पर शक

भोपाल (ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के गुनगा इलाके में बुधवार को 13 दिनों से लापता एक कारोबारी का शव पानी से भरे गड्ढे में मिला, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान 4 वर्षीय देवेंद्र मेहरा के रूप में हुई है, जो लांबाखेड़ा इलाके में हर्ष ट्रांसपोर्ट के पीछे रहते थे और ललवानी प्रेस रोड स्थित कोतवाली क्षेत्र में लेडीज पर्स की दुकान चलाते थे। वे 17 अप्रैल की सुबह करीब 8:3 बजे घर से यह कहकर निकले थे कि गुटखा लेकर लौट रहे हैं, लेकिन इसके बाद से उनका कोई पता नहीं चला। परिजनों ने उनकी गुमशुदगी ईंटखेड़ी थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस जांच में देवेंद्र की आखिरी लोकेशन धमर्रा बैरसिया रोड पर सामने आई, जो उनके ताऊ के खेत के पास की थी। बुधवार सुबह परिजन जब उसी खेत में तलाश करने पहुंचे, तो एक गड्ढे में उनका शव मिला। शव काफी हद तक सड़-गल चुका था, जिसकी पहचान कपड़ों, मोबाइल और चप्पलों के आधार पर की गई। इस मामले में कॉल डिटेल्स अहम सुराग मिले हैं। देवेंद्र की आखिरी तीन कॉल उनके करीबी रिश्तेदारों एक महिला और ताऊ के बेटों के नंबर पर दर्ज हैं। परिजनों ने मनोज मेहरा (ताऊ का बेटा), कालूराम (रिश्ते का भाई) और मीराबाई (रिश्ते की भाभी) पर हत्या का शक जताया है। उनका कहना है कि कॉल रिकॉर्ड में इन लोगों से आखिरी बातचीत सामने आई है, लेकिन सभी ने इससे इनकार किया है। साथ ही, मौत की सूचना मिलने के बाद भी ये तीनों मौके पर नहीं पहुंचे, जिससे संदेह और गहरा गया है। मृतक के बड़े भाई नारायण मेहरा ने बताया कि जिस खेत में शव मिला है, वह उनके बड़े पिता का है और उसी परिवार के सदस्य मनोज से देवेंद्र की आखिरी बार बात होने की पुष्टि कॉल डिटेल से हो रही है। इसके बावजूद मनोज बातचीत से इनकार कर रहा है। फिलहाल, पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाइन सेंटर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 22 जून तक

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी (संस्कृति परिषद) द्वारा संचालित कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाइन सेंटर में सत्र 226-28 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 22 जून 226 निर्धारित की गई है। इस दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष कैलीग्राफी और द्वितीय वर्ष ग्राफिक डिजाइन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी अकादमी से निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालय समय में जमा कर सकते हैं। सीटें सीमित होने के कारण अंतिम तिथि के पूर्व ही आवेदन प्रक्रिया पूर्ण हो सकती है। प्रवेश के लिए इच्छुक उम्मीदवार की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मैट्रिक उत्तीर्ण या उसके समकक्ष होना आवश्यक है। साथ ही उर्दू भाषा का ज्ञान और आयु 15 से 35 वर्ष के मध्य होना चाहिए। आवेदन के साथ आवश्यक प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड संलग्न करना अनिवार्य रहेगा।इस प्रशिक्षण के लिए कोई शुल्क देय नहीं है। प्रशिक्षण से संबंधित सामग्री एवं पुस्तकें भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। विस्तृत जानकारी मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन, बाणगंगा रोड, भोपाल स्थित कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

भोपाल में अतिथि शिक्षकों का बड़ा प्रदर्शन, वादे पूरे न होने पर सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा,दी चेतावनी

- प्रदेशभर से आए हजारों शिक्षकों ने सरकार पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

भोपाल, (निप्र.) । मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में बुधवार को अतिथि शिक्षकों ने बड़ा प्रदर्शन किया। अतिथि शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले प्रदेशभर से आए हजारों शिक्षकों ने सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए अपनी लंबित मांगों को लेकर जोरदार विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक और उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन में कई महिला शिक्षक भी शामिल हुईं। अंबेडकर पार्क में आयोजित प्रदर्शन के दौरान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले सरकार ने अतिथि शिक्षकों के लिए कई अहम घोषणाएं की थीं। इनमें नियमितीकरण, सीधी भर्ती में बोनस अंक और वार्षिक अनुबंध लागू करने जैसे वादे शामिल थे। उन्होंने आरोप लगाया कि अब तक इन वादों पर कोई ठोस अमल नहीं हुआ है, जिससे शिक्षकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। परिहार ने कहा कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी अतिथि शिक्षकों को न्याय दिलाने का भरोसा दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय सामने नहीं आया। इससे शिक्षकों के बीच भरोसे का संकट गहराता जा रहा हैसंगठन के पदाधिकारी रामचंद्र नागर और के.सी. पवार ने सरकार पर वार्षिक अनुबंध के वादे से पीछे हटने का आरोप लगाया।

उन्होंने चेताया कि यदि 30 अप्रैल तक समाधान नहीं हुआ, तो करीब सवा लाख अतिथि शिक्षक बेरोजगारी के खतरे का सामना कर सकते हैं। साथ ही मांग की गई कि अनुभवी शिक्षकों को रिक्त पदों पर प्राथमिकता से समायोजित किया जाए।

ई-अटेंडेंस और भुगतान में गड़बड़ी पर नाराजगी

प्रदेश सचिव रविकांत गुप्ता ने ई-अटेंडेंस प्रणाली में आ रही तकनीकी समस्याओं को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कई बार तकनीकी कारणों से उपस्थिति दर्ज नहीं हो पाती, जिससे मानदेय कट जाता है। कुछ मामलों में तो सितंबर महीने का भुगतान भी लंबित है, जिसे तुरंत जारी करने की मांग की गई।

भर्ती प्रक्रिया में अनुभव को नजरअंदाज करने का आरोप

बी.एम. खान ने भर्ती प्रक्रिया की खामियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि 2008 से काम कर रहे अतिथि शिक्षकों को उनके अनुभव का पूरा लाभ नहीं मिल रहा। उन्होंने सुझाव दिया कि स्कोर कार्ड में हर वर्ष 10 अंक (अधिकतम 100) जोड़े जाएं और पुरानी पात्रता परीक्षाओं के अंक भी शामिल किए जाएं, ताकि अनुभवी शिक्षकों को न्याय मिल सके। वहीं, प्रांत अध्यक्ष तूफान शर्मा ने कहा कि अतिथि शिक्षक सभी आवश्यक योग्यताएं पूरी करते हैं, इसलिए उनके अनुभव के आधार पर उन्हें प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

अल्पविराम टूल किट के माध्यम से जीवन में कराया जा रहा है आनंद का अहसास

3 दिवसीय आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण हुआ संपन्न

भोपाल (ए.)। राज्य आनंद संस्थान द्वारा तीन दिवसीय आनंदम सहयोगी प्रशिक्षण दिनांक 27 से 29 अप्रैल तक क्षेत्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज प्रशिक्षण केन्द्र, भदभदा, नीलबड, भोपाल में सम्पन्न हुआ। मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान ने अपनी स्थापना के दसवे वर्ष में प्रवेश किया है। इस अवसर पर राज्य के नागरिकों को खुशहाल जीवन जीने के उद्देश्य से अल्पविराम टूल के माध्यम से कुछ विधियां एवं प्रक्रियाओं के द्वारा जीवन में आनंद का एहसास कराया जा रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश भर के 60 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक सत्य प्रकाश आर्य के मुख्य आतिथ्य में किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों के बीच आनंद विभाग की रूपरेखा एवं स्वयं से संवाद करने की प्रक्रिया पर अपने विचार रखे। मुकेश कारूवा, अजीत महतो, हितेंद्र बुधौलिया श्रीमती अंजना श्रीवास्तव श्रीमती नीलू शुक्ला, गजेंद्र सरकार एवं चंद्रकांत बोहरे ने विभिन्न प्रयोग एवं टूलों के माध्यम से प्रतिभागियों के बीच में अल्पविराम एवं आनंद से विषय से जुड़े विषयों को रखा। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

जलूद सोलर प्लांट राष्ट्रीय उपलब्धि है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

खरगोन जिले के जलूद में 271 करोड़ की लागत से बने 60 मेगावाट के सोलर पॉवर प्लांट का हुआ लोकार्पण

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण मध्यप्रदेश के साथ देशभर के लिए महत्वपूर्ण है। यहां सूर्य के प्रकाश को बिजली के रूप में बदलकर इंदौर नगर निगम लाभान्वित हो रहा है। लगभग 60 मेगावॉट क्षमता की इस परियोजना में भारत सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग मिला है। ग्रीन बॉन्ड स्कीम के माध्यम से इस परियोजना में देश की जनता को भागीदार (पार्टनर) बनाया है। पीपीपी मोड में कार्य करने वाला यह अपनी तरह का देश का प्रथम संयंत्र है। इस तरह से इस राष्ट्रीय उपलब्धि का श्रेय मध्यप्रदेश को जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव खरगोन जिले में महेश्वर के निकट जलूद में 271 करोड़ की लागत से

बने 60 मेगावाट सोलर पॉवर प्लांट का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संयंत्र का अवलोकन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस परियोजना में कोई भी व्यक्ति एक-एक लाख के 10 बॉन्ड खरीद सकता है। एक लाख पर लगभग 8 प्रतिशत की बचत होगी, जिसका लाभ 20 साल तक मिलेगा। अगर जरूरत पड़े तो इस बॉन्ड को बेचा भी जा सकता है। इस प्रकार से राज्य सरकार ने घर बैठे लोगों को पैसे कमाने का अवसर दिया है। मध्यप्रदेश सबसे सस्ती बिजली देने वाला राज्य है। हमारी बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन चल रही है। जलूद सोलर पॉवर प्लांट का भूमि-पूजन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में किया था। लोकार्पण अवसर पर प्रदेश में हरित ऊर्जा पर जारी कार्यों पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जलूद सोलर पॉवर प्लांट से दोहरा लाभ मिलेगा। इंदौर नगर निगम को बिजली तो मिलेगी ही, साथ में कार्बन उत्सर्जन भी कमी आएगी। बिजली उत्पादन में ग्रीन एनर्जी का नवाचार सर्वोत्तम है। इस परियोजना की लागत 10 साल में निकल जाएगी, अगले 10 साल सिर्फ लाभ के होंगे।

सीवर, जलभराव और जाम जैसी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए : ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने सीवर सफाई महाअभियान का निरीक्षण किया

भोपाल (ए.)। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार सुबह 6 बजें सीवर सफाई महाअभियान के अंतर्गत ग्वालियर-15 विधानसभा के क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में भ्रमण कर सीवर लाइनों की सफाई कार्य का निरीक्षण किया। ऊर्जा मंत्री ने सीवर सफाई महाअभियान के अंतर्गत काली माता मंदिर, चार शहर का नाक, चंदन नगर, मोहिते गार्डन, ओम नगर क्षेत्र का औचक निरीक्षण करते हुए व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारा निरंतर प्रयास है कि क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में सीवर जाम एवं जलभराव जैसी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि जनसुविधा और स्वच्छता आपके सेवक की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर उन्होंने लोगों का

आव्हान किया कि जनभागीदारी के माध्यम से स्वच्छ ग्वालियर- स्वस्थ ग्वालियर के संकल्प को साकार करें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आमजन को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है। हम निरंतर प्रयासरत हैं कि क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड और मोहल्ले में सीवर जाम, जलभराव एवं गंदगी जैसी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

जल गंगा संवर्धन अभियान से शहडोल में पुराने जल स्त्रोतों को मिल रहा पुर्नजीवन

वर्षा जल के संचयन से जल स्तर में होगी वृद्धि

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में दूरगामी सोच के साथ मध्यप्रदेश में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान में जनभागीदारी से जनांदोलन बन चुका है। जल के संरक्षण, संवर्धन एवं जल के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के उददेश्य से जल गंगा संवर्धन अभियान शहडोल जिले में प्रगति पर है। अभियान में जिले में पुराने जल स्त्रोतों को पुर्नजीवन मिल रहा है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति के निर्देशानुसार शहडोल जिले के समस्त ग्राम पंचायतो एवं नगरीय निकायो में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पुराने तालाबो की साफ-सफाई, जल स्त्रोतो के जीर्णोद्वार के कार्य, शोक पिट निर्माण, वाटर हार्वेस्टिग के कार्य जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है। शहडोल जिले में अभियान के तहत जन-प्रतिनिधियों, अधिकारियों, समाजसेवियों, स्वयंसेवी संगठनों के सदस्यो एवं जन सहयोग से विभिन्न कार्य किये जा रहे है। ग्रामीण विकास विभाग द्वारा जिले में 5613 कार्य स्वीकृत किये गए है जिनमें से 1006 काम पूर्ण किये गए है तथा 2834 कार्य प्रगतिरत है। अभियान के तहत जिले में 3217 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 722 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 1902 काम प्रगतिरत है। ब्यौहारी जनपद पंचायत में 347 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 81 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 266 कार्य प्रगतिरत है। बुढार जनपद पंचायत में 766 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 88 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 494 कार्य प्रगतिरत है। गोहपारू जनपद पंचायत में 596 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 236 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 224 कार्य प्रगतिरत है। जयसिंहनगर जनपद पंचायत में 925 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 218 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 539 कार्य प्रगतिरत है। सोहागपुर जनपद पंचायत में 493 खेत तालाब स्वीकृत किये गए है जिनमें से 99 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा 379 कार्य प्रगतिरत है। जिले में डगवेल रिचार्जिग के 620 कार्य हाथ में लिए गए है जिनमें 241 कार्य पूर्ण किये गए है। अमृत सरोवर के तहत जिले में 8 कार्य स्वीकृत किये गए है जो प्रगतिरत है। जल संसाधन विभाग द्वारा 32 कार्य स्वीकृत किये गए है जिनमें से 7 कार्य पूर्ण हो चुके है। जल संरक्षण एवं वाटर रिचार्ज के तहत 1042 कार्य स्वीकृत किये गए है जिनमें से 105 कार्य पूर्ण हो चुके है तथा शेष कार्य प्रगतिरत है।

मनोहर पोरवाल रतलाम विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष नियुक्त

भोपाल (ए.)। मनोहर पोरवाल को रतलाम विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। बुधवार को नगरीय विकास एवं आवास विभाग से जारी आदेश में गोविंद काकाणी और प्रवीण सोनी को प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। आदेश में रतलाम विकास प्राधिकरण के सदस्यों की भी नियुक्ति की गयी है। इनमें राजेन्द्र सिंह गोयल, राजेन्द्र मौर्य, धीरज व्यास, श्रीमती राखी व्यास और श्रीमती किरण महावर के नाम शामिल हैं। सभी पदाधिकारियों को कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक नियुक्त किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खरगोन जिले के जलूद में सोलर पॉवर प्लांट का रिमोट से लोकार्पण किया।

हरदा स्टेशन पर बनारस हडपसर नई अमृत भारत ट्रेन के आगमन पर भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित

जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गा दास उईके ने दिखाई हरी झंडी

भोपाल (ए.)। यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक एवं किफायती रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 अप्रैल 2026 को किया गया है। बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष फेरे 28 अप्रैल 2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर दिनाँक 29 अप्रैल, 2026 को हरदा स्टेशन पर माननीय जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गा दास उईके, माननीय विधायक हरदा डॉ रामकिशोर दोगने, माननीय पूर्व मंत्री एवं विधायक हरदा कमल पटेल, माननीया अध्यक्ष नगर पालिका हरदा श्रीमती भारती राजू कमेडिया, माननीय जिला अध्यक्ष पंचायत हरदा गजेन्द्र शाह एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया। इस अवसर पर हरदा स्टेशन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र / छात्राओं को पुरस्कृत कर सम्मानित भी किया गया। यह नई अमृत भारत एक्सप्रेस यात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गई है, जिससे अयोध्या एवं मुंबई के मध्य संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। अमृत

भारत एक्सप्रेस को नवीनतम तकनीकों से सुसज्जित किया गया है। इसमें 'कवच' ट्रेन सुरक्षा प्रणाली, सेमी-ऑटोमैटिक कपलर, क्रैश ट्यूब तथा ईपी-असिस्टेड ब्रेकिंग सिस्टम जैसी उन्नत व्यवस्थाएं शामिल हैं, जो आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करती हैं। इसके अतिरिक्त, ट्रेन में एयर स्प्रिंग सस्पेंशन आधारित कोच, रेडियम युक्त एल्यूमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप तथा आधुनिक फायर डिटेक्शन सिस्टम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं, जिससे यात्रियों एवं कर्मचारियों की सुरक्षा को उच्चतम स्तर पर सुनिश्चित किया गया है। यात्रियों के आराम एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोचों में फोल्डेबल स्नैक टेबल, मोबाइल होल्डर, फोल्डेबल बॉटल होल्डर, रीडिंग लाइट तथा आरामदायक सीटों की व्यवस्था की गई है।

प्रत्येक सीट के साथ फास्ट चार्जिंग पोर्ट उपलब्ध है। प्रसाधनों में इलेक्ट्रो-न्यूमैटिक फ्लशिंग प्रणाली, ऑटोमैटिक सोप डिस्पेंसर एवं पेपर नैपकिन सिस्टम जैसी आधुनिक सुविधाएं प्रदान की गई हैं। दिव्यांगजन यात्रियों के लिए विशेष रूप से अनुकूल व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई हैं। नई अमृत भारत सेवा के माध्यम से यात्रियों को बेहतर गति, आधुनिक कोच, उन्नत यात्री सुविधाएं तथा अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। ये सेवाएं उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं पश्चिम भारत के बीच संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करेंगी। बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस सेवा से भोपाल मंडल के यात्रियों को नए गंतव्यों के लिए तेज, सुगम और सुविधाजनक रेल विकल्प उपलब्ध होंगे। हरदा रेलवे स्टेशन पर आयोजित इस कार्यक्रम में रेलवे की ओर से अपर मंडल रेल प्रबंधक अभिराम खरे, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्याम सिंह बरेडिया सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे। यह नई रेल सेवा यात्रियों को सुरक्षित, तेज एवं सुविधाजनक यात्रा प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

मक्का-मदीना रुबात मामला

कांग्रेस विधायक ने की सबा पटौदी और सिकंदर हफीज के खिलाफ एफआईआर की मांग

भोपाल(ए.)। मक्का-मदीना रुबात मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इसे लेकर अब भोपाल से कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने कड़ा रुख अपनाते हुए वफ्फ बोर्ड कार्यालय पहुंचकर बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. सनवर पटेल से मिलने पहुचें। उन्होंने सबा अली खान पटौदी और सिकंदर हाफिज के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की मांग को लेकर पत्र भी सौपां। उन्होंने कहा कि, इन दोनों ने हाजियों के साथ धोखाधड़ी कि है। वहीं वफ्फ बोर्ड अध्यक्ष का कहना है की कि, हमने विधायक की शिकायत को गंभीरता के साथ सुना है, और उनसे पूरे दस्तावेज एफिडेविट के साथ पेश करने को कहा है। मक्का और मदीना स्थित रूबात (हाजियों के ठहरने की व्यवस्था) को लेकर आरिफ मसूद ने सबा अली खान पटौदी और सिकंदर हाफिज पर हाजियों के साथ धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया गया है। विधायक ने कहा कि, पिछले कई सालो से रुबात के मुद्दे को लेकर लगातार बैठकें आयोजित की जाती रही हैं। बैठकों में सिकंदर हाफिज द्वारा कमेटी बनाकर जल्द ही रुबात शुरू कराने का आश्वासन दिया गया था। हालांकि, आज तक इस दिशा में कोई ठोस कार्यवाही नहीं हो सकी है।

भक्तों के लिए खुशखबरीः महाकाल अन्नक्षेत्र दान हुआ अब ऑनलाइन, ऐसे मिलेगा भोग लगाने का मौका; जानें क्या करना है?

उज्जैन (ए.)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में व्यवस्थाओं के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और बड़ा कदम उठाया गया है। अब मंदिर प्रशासन ने दान प्रक्रिया को ऑनलाइन कर दिया है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु घर बैठे ही विभिन्न सेवाओं में सहयोग कर सकेंगे। महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की सहायक प्रशासक सिम्मी यादव ने बताया कि मंदिर का अन्नक्षेत्र पूरी तरह दान पर आधारित है। यहां प्रतिदिन दो शिफ्ट में लगभग 10,000 श्रद्धालु भोजन प्रसादी ग्रहण करते हैं। पहले अन्य क्षेत्रों में दान की प्रक्रिया ऑफलाइन होने के कारण कई श्रद्धालु इस सेवा से जुड़ नहीं पाते थे, लेकिन अब इसे ऑनलाइन कर दिया गया है। माध्यम से आसानी से दान कर सकेंगे। यह नई व्यवस्था सोमवार से लागू होगी।

दामाद की हत्या पर ससुर ने कहा था-हमारे लिए सोनम मर चुकी, अब खुद ने कराई बेटी की जमानत

इंदौर (ए.)। राजा रघुवंशी हत्याकांड में पिछले 11 महीनों से शिलांग की जेल में बंद सोनम रघुवंशी मंगलवार देर शाम रिहा हो गई। रिहाई के बाद वह अपने पिता के साथ शिलांग में ही है। गौरतलब है कि जब इस मामले में सोनम का नाम सामने आया था, तब उसके पिता देवी सिंह रघुवंशी ने कहा था कि "हमारे लिए सोनम मर चुकी है।" लेकिन अब वही पिता शिलांग जाकर 50 हजार रुपये के मुचलके पर उसकी जमानत कराकर उसे अपने साथ ले गए हैं। वहीं सोनम का भाई गोविंद इंदौर में ही है। इधर, राजा रघुवंशी का परिवार अब जमानत रद्द कराने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाने की तैयारी कर रहा है।

दो बार खारिज हो चुकी थी जमानत याचिका

सोनम रघुवंशी ने इससे पहले भी शिलांग कोर्ट में दो बार जमानत के लिए आवेदन किया था, जो खारिज हो गया था। उस समय विपिन के वकील ने आपत्ति जताते हुए कहा था कि केस में ट्रायल शुरू हो चुका है और सोनम को जमानत मिलने पर वह गवाहों को प्रभावित कर सकती है। इसके बावजूद बाद में कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी। शिलांग पुलिस ने सोनम को हत्या और साजिश में शामिल आरोपी माना था। हालांकि गिरफ्तारी के समय गलत धाराएं लगाने और ट्रायल के दौरान गवाहों के बयान में देरी को आधार बनाते हुए

उसे जमानत मिल गई।

सोनम को मास्टरमाइंड मानने के कारण

सोनम को हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है। आरोप है कि उसने झरने के पास सीढ़ियों पर आरोपियों के साथ बैठक की और उन्हें 15 हजार रुपये दिए। इसके बाद बंद पार्किंग यार्ड में उसके कहने पर तीनों युवकों ने राजा पर हमला किया। राजा को खाई में फेंकने में भी सोनम ने मदद की। हमले से पहले उसके शरीर से चेन, अंगूठी और ब्रेसलेट भी निकलवाए गए थे। हत्या के बाद आरोपी करीब 11 किलोमीटर आगे जाकर सोनम से मिले थे।

प्रेमी राज की भूमिका भी संदिग्ध

मामले में सोनम के प्रेमी राज की भूमिका भी सामने आई है। वह शिलांग नहीं गया था, लेकिन साजिश में शामिल बताया जा रहा है। आरोप है कि सोनम और राजा की शादी से पहले ही उसने हत्या की योजना बना ली थी। उसने अपने दोस्त विशाल को तैयार किया और फिर अन्य आरोपियों को साथ जोड़ा। सोनम की लोकेशन भी राज ही आरोपियों तक पहुंचाता था। हत्या के बाद उसने आरोपियों से मुलाकात की। वहीं, जब सोनम इंदौर आई तो उसे रोकने के लिए फ्लैट किराए पर लेने की भी बात सामने आई है।

राजा की मां का बयान

राजा रघुवंशी की मां उमा ने कहा कि सोनम को जमानत मिलना पुलिस की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि सोनम को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि उनके बेटे का क्या कसूर था, जिसे इस तरह मार दिया गया। उमा ने कहा कि अगर सोनम इंदौर आएगी तो वह उससे इस बारे में जरूर पूछेंगी।

शहडोल में साथ निकली डोली और अर्थीः विदाई की रस्म के बीच दूल्हे के पिता की मौत, दुल्हन रोते हुए ससुराल पहुंची

शहडोल (ए.)। घर में रातभर शादी की रस्में चलीं और सुबह विदाई की तैयारियां शुरू हो गईं। आदिवासी परंपरा के अनुसार विदाई से पहले हल्दी की रस्म निभाई जा रही थी। बराती और घराती खुशी में नाच-गाकर जश्न मना रहे थे, लेकिन इसी बीच एक दर्दनाक हादसा हो गया। नाचते-थिरकते दूल्हे के पिता अचानक अचेत होकर जमीन पर गिर पड़े। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस तरह जिस घर से नई नवेली दुल्हन की डोली उठनी थी, वहीं से ससुर की अर्थी भी साथ उठी, जिससे पूरे माहौल में मातम छा गया।

यह हृदयविदारक घटना शहडोल के गोहपारू थाना क्षेत्र के ग्राम पहलवा की है। यहां ग्राम पहलवा निवासी रीना सिंह (23) की शादी के लिए जयसिंहनगर के ग्राम गजनी से धरमदास परस्ते (50) अपने पुत्र हरीश सिंह की बारात लेकर पहुंचे थे। रात में सभी वैवाहिक रस्में पूरी हुईं। सुबह विदाई से पहले हल्दी-पानी की रस्म के दौरान दूल्हे के पिता बारातियों के साथ नाच रहे थे। इसी दौरान वह अचानक बेहोश होकर गिर पड़े। परिजन उन्हें तत्काल गोहपारू अस्पताल ले गए, जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

मंजर देख हर किसी की आंखें नम

अस्पताल से जैसे ही मौत की खबर घर पहुंची, शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। दूल्हा खुद असमंजस में था कि वह एक साथ पत्नी की डोली और पिता के शव को कैसे लेकर जाए। लोगों ने हिम्मत बंधाई, जिसके बाद शव को जयसिंहनगर के ग्राम गजनी ले जाया गया। नई नवेली दुल्हन भी ससुर के शव के साथ रोते हुए ससुराल पहुंची। इस घटना से दोनों गांवों में शोक की लहर फैल गई। दूल्हे के पिता की अर्थी के साथ दुल्हन की डोली निकलने का मंजर देख हर किसी की आंखें नम हो गईं। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

दल-बदल केसः विस अध्यक्ष ने सप्रे को दस्तावेज पेश करने का समय दिया, हाईकोर्ट ने मांगी अगली तारीख की जानकारी

जबलपुर (ए.)। सरकार की ओर से हाईकोर्ट में पेश की गई जानकारी के अनुसार, विधायक निर्मला सप्रे के खिलाफ दल-बदल कानून के तहत कार्रवाई से संबंधित आवेदन पर विधानसभा अध्यक्ष द्वारा 22 अप्रैल को सुनवाई की जा चुकी है। सप्रे को दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए समय भी प्रदान किया गया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा और न्यायमूर्ति विनय सराफ की युगलपीठ के समक्ष यह जानकारी दी गई। कोर्ट ने सरकार के जवाब को रिकॉर्ड में लेते हुए मामले की अगली सुनवाई 18 जून को निर्धारित कर दी है।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार की ओर से दायर याचिका में कांग्रेस विधायक निर्मला सप्रे का निर्वाचन शून्य करने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि 30 जून 2024 को विधानसभा अध्यक्ष के समक्ष इस संबंध में आवेदन दिया गया था, लेकिन 90

दिनों के भीतर कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया।

याचिका में आरोप लगाया गया है कि सप्रे पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल रही हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान 5 मई 2024 को राहतगढ़ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रम में मंच साझा करने को भी इसका आधार बताया गया है। याचिकाकर्ता का दावा है कि सप्रे भाजपा में शामिल हो चुकी हैं, बावजूद इसके उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा नहीं दिया, जो दलबदल कानून के तहत अवैध है।

बुधवार को हुई सुनवाई में याचिकाकर्ता की ओर से तर्क दिया गया कि 10 फरवरी को दोनों पक्षों के बयान दर्ज होने के बावजूद विधानसभा अध्यक्ष ने अब तक कोई आदेश पारित नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशानुसार 90 दिनों के भीतर निर्णय दिया जाना चाहिए था। युगलपीठ ने विधानसभा अध्यक्ष द्वारा अगली सुनवाई की तिथि के संबंध में जानकारी मांगी, लेकिन सरकार की ओर से इस पर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा सकी। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विभोर खंडेलवाल ने पक्ष रखा।

व्यापार समाचार

तेल-गैस के लिए जल्द मिले सुरक्षित समुद्री मार्गः होर्मुज बंद होने से भारत की बढ़ी चिंता, UNSC में उठाई आवाज

न्यूयॉर्क (ए.)। भारत ने यूएनएससी में होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही जल्द बहाल करने की मांग की। भारत ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना निंदनीय है और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, साथ ही भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत ने वैश्विक व्यापार के लिहाज से होर्मुज में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवाजाही जल्द बहाल करने की अपील की है। भारत ने यह भी स्पष्ट किया कि इस महत्वपूर्ण जलमार्ग के किसी भी तरह के अवरोध का सीधा असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में 'समुद्री क्षेत्र में जलमार्गों की सुरक्षा और संरक्षण' विषय पर आयोजित ओपन डिबेट को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रभारी योजना पटेल ने यह बयान दिया।

होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों को निशाना बनाना निंदनीय

राजदूत योजना पटेल ने ने भारत का पक्ष रखते हुए कहा कि होर्मुज से गुजरने वाले वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना न केवल निंदनीय है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून के भी खिलाफ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में व्यापारिक जहाजों और निर्दोष नागरिक चालक दल को सैन्य हमलों का लक्ष्य नहीं बनाया जाना चाहिए।

भारतीय नाविकों पर हुए हमलों को लेकर जताई चिंता

पटेल ने कहा कि भारत के लिए यह जलमार्ग ऊर्जा और आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा संघर्ष के दौरान भारतीय नाविकों की जान भी गई है, जो बेहद गंभीर विषय है। भारत ने दोहराया कि समुद्री मार्गों की सुरक्षा और स्वतंत्र नौवहन वैश्विक शांति और समृद्धि के लिए अनिवार्य है।

भारत ने यह भी रेखांकित किया कि होर्मुज दुनिया के सबसे व्यस्त तेल और गैस परिवहन मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार की अस्थिरता अंतरराष्ट्रीय बाजारों, सप्लाई चेन और खाद्य सुरक्षा तक को प्रभावित कर सकती है।

ठप हो सकती हैं हवाई उड़ानें, फ्यूल की कीमतों ने तोड़ी एयरलाइंस की कमर; अब सरकार ही आखिरी उम्मीद

नई दिल्ली (आरएनएस)। आसमान में सफर करने वालों के लिए डराने वाली खबर सामने आई है। जेट फ्यूल (ATF) की लगातार बढ़ती कीमतों ने भारत की बड़ी एयरलाइन कंपनियों की टेंशन को चरम पर पहुंचा दिया है। हालात इतने बेकाबू हो चुके हैं कि अगर जल्द ही कोई सुधार नहीं हुआ, तो देश में फ्लाइट सर्विस के पूरी तरह से ठप होने का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। भारत की शीर्ष एयरलाइन कंपनियों जिसमें एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं, उनका प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन 'फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस' (FIA) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को पत्र लिखकर एक बेहद गंभीर चेतावनी जारी की है और उड़ानों को जारी रखने के लिए तत्काल मदद की गुहार लगाई है।

बंद होने की कगार पर पहुंची पूरी एयरलाइन इंडस्ट्री

संकट की भयावहता को बयां करते हुए एफआईए ने सरकार को बताया है कि मौजूदा समय में भारतीय एयरलाइन इंडस्ट्री भयानक दबाव से गुजर रही है और यह पूरी तरह से बंद होने या अपना कामकाज रोकने की कगार पर पहुंच चुकी है।

अनिश्चितता के दौर में मौद्रिक नीति के लिए मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाओं को मजबूती से नियंत्रित करना आवश्यक : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली , (आरएनएस),। एसबीआई रिसर्च की एक नई रिपोर्ट में बुधवार को कहा गया है कि अगर अमेरिका-ईरान संघर्ष लंबे समय तक अनसुलझा रहता है, तो महंगाई को नियंत्रित करने और विकास में होने वाले नुकसान को कम करने में केंद्रीय बैंक को मुश्किलों का सामना करना पड़ा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि अनिश्चितता के समय में, एक अच्छे केंद्रीय बैंक को गलत अनुमानों के प्रति सतर्क, उच्च लागत वाले जोखिमों के खिलाफ मजबूत, विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पर्याप्त रूप से व्यवस्थित, अनुकूलन के लिए पर्याप्त रूप से लचीला और इतना पारदर्शी होना चाहिए कि अर्थव्यवस्था के बारे में अनिश्चितता स्वयं केंद्रीय बैंक के बारे में अनिश्चितता न बन जाए।

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ. सौम्या कांति घोष ने कहा, "यही बात आरबीआई गवर्नर (संजय मल्होत्रा) ने प्रिंसटन विश्वविद्यालय में अपने हालिया भाषण में कही होगी और इसलिए इस संदेश को एक अग्रिम मार्गदर्शन के रूप में भी समझा जा सकता है।" अनिश्चितता के दौर में मौद्रिक नीति के लिए मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाओं को मजबूती से नियंत्रित करना आवश्यक है। घोष ने कहा कि वर्तमान समय में सुव्यवस्थित विनिमय दर प्रवाह सुनिश्चित करना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिसके लिए पर्याप्त लचीलेपन के साथ एक सुनियोजित पैकेज की आवश्यकता है।

सोने, चांदी की कीमतों में उछाल

नई दिल्ली (ए.)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दोनो ही कीमती धातुओं के वायदा भाव ऊपर आये हैं। सुबह घरेलू बाजार में सोने के वायदा भाव 1,50,100 रुपये जबकि चांदी के भाव 2,38,350 रुपये के करीब कामकाज कर रहे थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना चांदी में तेजी दर्ज की गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क जून अनुबंध 693 रुपये बढ़कर 1,50,720 रुपये पर खुला। ये 1,51,527 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 1,49,993 रुपये के भाव पर दिन के निचला स्तर पर पहुंचा। सोने के वायदा भाव इस साल 1,80,779 रुपये के सर्वोच्च स्तर पर पहुंचे। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मई अनुबंध 1,334 रुपये बढ़कर साथ 2,38,443 रुपये पर खुला जबकि इसका पिछला बंद भाव 2,37,345 रुपये था। दूसरी ओर चांदी के वायदा भाव इस साल 4,20,048 रुपये किलो के शीर्ष स्तर तक पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने चांदी के वायदा भाव में तेजी रही है। कॉमेथ्स पर सोना 4,611.40 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। इस पिछला बंद भाव 4,608.40 डॉलर प्रति औंस था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 72.98 डॉलर के भाव पर खुले जबकि पिछला बंद भाव 73.21 डॉलर था।

शेयर बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 609 अंक चढ़कर बंद हुआ, निफ्टी 24150 के पार

नई दिल्ली (ए.)। वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार में शानदार रिकवरी देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में भारी उछाल के बाद, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव के बावजूद दोनों प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। इस रिकवरी से निवेशकों को बड़ा फायदा हुआ है और बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे यह आंकड़ा बढ़कर 469 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण बाजार पर दिखा दबाव

कारोबारी सत्र की शुरुआत काफी आक्रामक रही, जब सेंसेक्स 1,000 से अधिक अंक उछला और निफ्टी ने 24,300 का अहम स्तर पार कर लिया था, जिससे शुरुआती दौर में बाजार पूंजीकरण करीब 5 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया था। हालांकि, दोपहर तक ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों के 115 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक पहुंचने के कारण बाजार ने अपनी लगभग आधी शुरुआती बढ़त गंवा दी। तमाम उतार-चढ़ाव के बाद कारोबारी दिन के अंत में सेंसेक्स 609.45 अंक (0.79%) की तेजी के साथ 77,496.36 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 181.95 अंक (0.76%) मजबूत होकर 24,177.65 के स्तर पर पहुंच गया।

बेंचमार्क सूचकांक लगभग एक प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए

एफएमसीजी, ऑटो और दूरसंचार शेयरों में खरीदारी और एशियाई बाजारों में तेजी के चलते बुधवार को इक्विटी बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की उछाल आई। व्यापारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव में संभावित कमी के संकेतों ने भी शेयर बाजारों को मदद पहुंचाई। सेंसेक्स में सूचीबद्ध कंपनियों में आईटीसी, टेक महिंद्रा, मारुति, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा सबसे बड़े लाभ कमाने वाले शेयरों में शामिल थे। इसके विपरीत, इंटरग्लोब एविएशन, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और आईसीआईसीआई बैंक पिछड़ने वालों में शामिल थे।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति ने वित्त वर्ष 2026 में 14,679.5 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.24 प्रतिशत की वृद्धि है। यह वृद्धि जीएसटी दर में कमी के कारण कंपनी की अब तक की सबसे अच्छी वार्षिक बिक्री (24.22 लाख यूनिट से अधिक) पर आधारित है। इसके बाद कंपनी के शेयरों में 2.82 प्रतिशत की तेजी आई।

बाजार की बढ़त पर जानकारों की क्या राय?

हरिप्रसाद के, रिसर्च एनालिस्ट और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक ने कहा, "आज की मजबूती का मुख्य कारण आय रही। प्रमुख कंपनियों के मजबूत परिणामों ने घरेलू मांग और बैलेंस शीट की मजबूती में विश्वास को और मजबूत किया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

विपक्षी खेमों में अविश्वास क्यों

चर्चा होने पर संसदीय रिकॉर्ड में यह दर्ज होता कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर विपक्षी खेमों में अविश्वास क्यों गहरा रहा है। बहस के दौरान सत्ता पक्ष भी अपनी बात कहता, जिससे उसके तर्क भी आम लोगों तक पहुंच पाते।मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए विपक्ष के प्रस्ताव को राज्यसभा के सभापति और लोकसभा स्पीकर ने ठुकरा दिया है। दोनों सदनों के महासचिवों ने अपनी विज्ञप्तियों में कहा कि उचित विचार-विमर्श के बाद पीठासीन अधिकारियों ने ये फैसला लिया। सी.पी. राधाकृष्णन और ओम बिड़ला के इस निर्णय का अर्थ है कि इस विषय पर दोनों सदनों में बहस नहीं होगी। जबकि संबंधित प्रस्ताव पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सदस्यों के दस्तखत थे। यानी ऐसे प्रस्ताव पर चर्चा के लिए हस्ताक्षर की जरूरी संख्या विपक्ष के पास है।

प्रस्ताव में उन कारणों का विस्तार से उल्लेख है कि विपक्ष क्यों ज्ञानेश कुमार को सीईसी जैसे महत्त्वपूर्ण संवैधानिक पद पर रहने के योग्य नहीं मानता। विपक्ष की चिंताओं पर सत्ता पक्ष गंभीरता से गौर करे, इसकी अपेक्षा आज के दौर में तो किसी को नहीं होगी! ऐसे में प्रस्ताव पर दलगत आधार पर ही मतदान होने की संभावना थी। उस हाल में विपक्ष के प्रस्ताव का गिर जाना तय था। लेकिन चर्चा होने पर संसदीय रिकॉर्ड में यह दर्ज होता कि जिस चुनावी प्रक्रिया से लोकसभा सहित विधायिका के तमाम निम्न सदन चुने जाते हैं, उस पर विपक्षी खेमों में अविश्वास क्यों गहराता चला जा रहा है।बहस के दौरान सत्ता पक्ष भी अपनी बात कहता, जिससे आम लोगों के लिए इस बारे में किसी नतीजे पर पहुंचना आसान हो जाता कि विपक्ष की बातों में दम है, या नहीं। वैसे भी किसी पक्ष के मन में बैठे गुबार को निकल जाने देना लोकतंत्र की सेहत के लिए अच्छा समझा जाता है। विपक्ष के साथ-साथ देश की जनता के एक बड़े हिस्से के मन में चुनाव प्रक्रिया लेकर शक गहराई तक समा गया है, जिसके नतीजे अब सामने आने लगे हैं। इससे किस तरह की स्थितियां पैदा हो सकती हैं, उसके कुछ संकेत हाल में पश्चिम बंगाल में देखने को मिले हैं। वैसी घटनाओं का संदेश है कि इस वक्त चुनाव प्रक्रिया से जुड़े तमाम मुद्दों पर खुलकर और विस्तृत बहस की जरूरत है। मगर पीठासीन अधिकारियों ने इस अवसर से देश को वंचित कर दिया है।

मतदान बढ़ने से उलझे समीकरण

- सुरेश हिंदुस्तानी

पश्चिम बंगाल में भारी मतदान से यह तो तय हो चुका है कि मतदाता चुनाव का महत्व समझ चुका है। लेकिन इससे राजनीतिक दलों को हिसाब लगाने में पसीना बहाना पड़ रहा है। सबके गणित उलझ गए हैं। पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान जहाँ एक ओर राजनीतिक दलों के लिए चिंता की लकीर खींच रहा है, वहीं एक राजनीतिक लाभ देने का भी संकेत करने वाला भी कहा जा रहा है। इस बार के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी। भाजपा बहुत पहले से पश्चिम बंगाल में सरकार बनाने के लिए कदम उठा रही थी। पिछले विधानसभा और फिर लोकसभा चुनाव में जिस प्रकार से भाजपा ने अपना राजनीतिक प्रभाव जमाया है, वह किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। यही आंकड़े तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए खतरे की घंटी बजाते हुए दिखाई देने लगे हैं। ममता बनर्जी के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि उनके सामने अपनी राजनीतिक साख बचाने की मज़बूरी है। राजनीतिक आकलन किया जाए तो यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि ममता केवल और केवल पश्चिम बंगाल तक ही अपना राजनीतिक प्रभाव रखती हैं, अगर किसी कारण से पश्चिम बंगाल भी उनके हाथ से निकल जाता है, तो तृणमूल कांग्रेस को अपना जनाधार स्थापित करने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हालांकि ममता बनर्जी की कार्यशैली को देखकर यह कोई नहीं कह सकता कि वह आसानी से पराजय स्वीकार कर लेंगी। सभी जानते हैं कि वह स्वयं मोर्चा संभाल लेती हैं। एसआईआर के मुद्दे पर हम सभी ने देखा ही है कि वे सर्वोच्च न्यायालय में भी खड़ी हो गई।

नारंगी अर्थव्यवस्थाः जनजातीय कला, हस्तशिल्प और आजीविका

रंजना चोपड़ा

वशांग खैयर मणिपुर के उखरूल जिले के लॉन्गपी गाँव के निवासी हैं, जो अपने और अपने परिवार की रोजी-रोटी गाँव में उपलब्ध गारे और सर्पेंटीनाइट पत्थर से बर्तन बनाकर कमाते हैं। स्थानीय तांगखुल नागा जनजातियों के अनुसार, यह पारंपरिक शिल्प, देवी पंथोइबी की कृपा है और आज यह उनकी आय का मुख्य स्रोत है और इसने छोटे से गाँव को वैश्विक मानचित्र पर ला दिया है। इसी तरह, नॉर्थी कुट्टन, जो तमिलनाडु के उद्हगमंडलम जिले के पागलकोड मंड गाँव में रहते हैं, पारंपरिक कढ़ाई कला से अपनी आजीविका कमा रहे हैं। इस कढ़ाई कला का उपयोग नीलगिरी के हरे-भरे जंगलों में बसे टोडा जनजाति समूह द्वारा किया जाता है। जीआई टैग से युक्त यह शिल्प प्रकृति और सामुदायिक बंधन का जश्न मनाता है और इसे बहुत ही सुंदरता के साथ टेबल मैट, रनर, जैकेट आदि पर अंकित किया जाता है और समकालीन उपयोग में इसे लोकप्रियता भी मिली है। खैयर और कुट्टन दोनों अपने पारंपरिक जनजातीय कला रूपों के एक उन्नत रूप का अभ्यास करके सालाना लगभग 6-8 लाख रुपये कमाते हैं।

जनजातीय आजीविका लंबे समय से ज्ञान और पारंपरिक प्रथाओं पर आधारित रही है, जहां रचनात्मकता शिल्प, परंपरा, वस्त्र, संगीत, नृत्य, कथा-वाचन और भाषाओं में निहित है। ये केवल उत्पाद या सेवाएं नहीं हैं, बल्कि ज्ञान की जीवित विरासत हैं, जो पीढियों के माध्यम से आगे बढ़ती हैं। जनजातीय समुदायों के पास मौजूद रचनात्मक संपत्तियों का महत्वपूर्ण आर्थिक मूल्य है, जिसे यदि परंपरा के प्रति संवेदनशील रहते हुए सतत तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह नारंगी अर्थव्यवस्था (ऑरेंज इकोनॉमी) को गति दे सकता है और इस इकोसिस्टम के तहत आय उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का सृजन कर सकता है।

रचनात्मक अर्थव्यवस्था को दर्शाने के लिए व्यापक रूप से इस्तेमाल की जाने वाली नारंगी अर्थव्यवस्था, यूएनसीटीएडी (संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन) के अनुमान के अनुसार 2 ट्रिलियन डॉलर से 2.25 ट्रिलियन डॉलर के बीच है, जो वैश्विक जीडीपी का लगभग 3.1 प्रतिशत है। भारत में, जहाँ हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए ठोस डेटा मौजूद है, वहीं जनजातीय शिल्प और आजीविका के लिए डेटा की कमी है। हालांकि, रणनीतिक निहितार्थ

स्पष्ट है: जनजातीय कला और शिल्प कुछ ऐसी ग्रामीण आजीविकाएं हैं, जो वैश्विक रचनात्मक वस्तुएँ की मांग से सीधे जुड़ सकती हैं यदि प्रामाणिकता, लॉजिस्टिक्स और गुणवत्ता प्रणाली मौजूद हों।

अनुमान है कि भारत की अनुसूचित जनजाति की आबादी 104 मिलियन है और कुल आबादी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 8.60 प्रतिशत है। लगभग 700 अलग-अलग जनजातीय समुदाय विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों में निवास करते हैं: जंगल, पहाड़, मैदान और सीमा क्षेत्र। इस विविधता का प्रत्यक्ष आर्थिक संबंध है। यह पारिस्थितिकी के अनुसार शिल्प विशेषज्ञता को प्रतिबिंबित करता है, जैसे जंगल वाले क्षेत्रों में बांस और छड़ी, खनिज क्षेत्रों में धातु और मिट्टी, और बुनाई गलियारों में वस्त्र परंपराएँ। इसके परिणामस्वरूप, भारत के जनजातीय क्षेत्र; एकल जनजातीय शिल्प क्षेत्र के बजाय विविध अर्थव्यवस्थाओं से युक्त हैं। इसलिए, नीति निर्माण क्षेत्रीय रूप से भिन्न होना चाहिए और सभी के लिए उपयुक्त एक ही शिल्प योजना नहीं होनी चाहिए। नीतियों को कच्चे माल की सीमाओं, डिज़ाइन और गुणवत्ता संबंधी मुद्दों और बाजार संबंधों को ध्यान में रखना चाहिए।

वर्तमान में, जनजातीय कला/हस्तशिल्प आजीविका इकोसिस्टम, कई मंत्रालयों और संस्थानों के कार्यादेशों से बना है, जो विभिन्न स्तरों पर एक-जैसे हैं। जनजातीय कार्य मंत्रालय इस इकोसिस्टम का मुख्य स्तंभ है और विकास के लिए अत्यंत आवश्यक अवसंरचना में सुधार करता है और ट्राइफेड (भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड) के माध्यम से बाजार-जुड़ाव की सुविधा देता है। ट्राइफेड एक प्रमुख बाजार संचालक के रूप में कार्य करता है। ट्राइफेड वन धन विकास केंद्रों (वीडीवीके) का समर्थन करता है, जो खरीद और मूल्य संवर्धन के लिए जमीनी स्तर की इकाइयाँ हैं। ट्राइफेड, ट्राइब्स इंडिया आउटलेट और आदि महोत्सव/हाट्स के माध्यम से खुदरा विपणन करता है ताकि उत्पादकों को खरीदारों और संस्थागत भागीदारों से जोड़ा जा सके। वस्त्र मंत्रालय राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के माध्यम से हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है और समग्र हथकरघा/हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजनाओं (सीएचसीडीएस) के माध्यम से क्लस्टर अवसंरचना को प्रोत्साहन देता है और कारीगरों के डेटाबेस को अद्यतन करता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) पारंपरिक उद्योग पुनरुत्थान निधि योजना (स्फूर्ति) के माध्यम से क्लस्टर पुनरुत्थान और बिक्री-योग्यता का समर्थन करता है, स्पष्ट रूप से आपूर्ति-संचालित मॉडल के बदले बाज़ार-संचालित मॉडल का उपयोग करता है और ई-कॉमर्स को एक माध्यम के रूप में महत्व देता है।

अनुभव से पता चलता है कि ग्रामीण आजीविका मूल्य-श्रृंखला चुनौतीपूर्ण है क्योंकि ये कमजोर हैं, कारीगर सीधे बाजार से जुड़े नहीं होते हैं और मध्यस्थों पर अधिक निर्भर रहते हैं। ये कारक लाभ कम कर देते हैं तथा खराब भंडारण और एकत्रीकरण की वजह से अर्थव्यवस्था के विस्तार को समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यदि हम विश्लेषण को कारीगर परिवारों के स्तर तक और गहराई से देखें, तो जो पैटर्न दिखाई देता है वह मिश्रित अर्थव्यवस्था का है। कारीगर शिल्प कार्य को सहायक या अंशकालिक रोजगार के रूप में देखते हैं, विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों में, जहां कृषि मौसम-आधारित है या परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए अपर्याप्त है। इस परिस्थिति में, खराब ऋण पात्रता और उद्यम विकास, बाजार से जुड़ाव की कमी और व्यापारियों पर निर्भरता से आय प्रवाह अनियमित हो जाता है।

हालांकि, शिल्प कम पूंजी में घर पर उत्पादित किए जा सकते हैं, जिनमें उच्च लाभ की संभावना भी हो सकती है। शिल्प हस्तक्षेप अक्सर महिलाओं के रोजगार, आय और सौदेबाजी की शक्ति से जुड़े कार्यक्रम होते हैं। मोटे अनुमान बताते हैं कि 7 मिलियन से अधिक कारीगरों में महिलाओं की हिस्सेदारी 56 प्रतिशत से 70 प्रतिशत से अधिक हैं और हथकरघा क्षेत्र के बुनकरों में 72.29 प्रतिशत महिलाएं हैं। कौशल हस्तांतरण अनौपचारिक होता है और आमतौर पर एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को दिया जाता है। जनजातीय कला रूपों के लिए, जहां तकनीक और आख्यान में सांस्कृतिक अर्थ निहित होता है, वहाँ हस्तांतरण दोनों तरह का होता है—आर्थिक (कौशल) और सांस्कृतिक (प्रामाणिकता)।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के अंतर्गत तीन मौजूदा मॉडल मजबूत जुड़ाव के उपाय प्रदान करते हैं: वीडीवीके जैसी उत्पादनकर्ता समितियाँ, जो साझा अवसंरचना और संग्रहण प्रदान करती हैं; ट्राइब्स इंडिया स्टोर जो खरीदार से जोडने में मदद करते हैं और राज्य स्तर पर क्लस्टर विकास और कौशल उन्नयन के लिए सहकारी संस्थाएँ। उदाहरण के लिए, ओडिशा में 150 वीडीवीके कार्यरत हैं जिनकी कुल बिक्री 2,459.91 लाख है और जिसमें लगभग 40,000 जनजातीय उत्पादकों को एकीकृत किया गया है। जनजातीय विकास सहकारी निगम एक उच्च स्तरीय सहकारी संस्था है, जो जनजातीय उत्पादकों द्वारा तैयार किये गये वन और गैर-वन आधारित वस्तुओं के विपणन और ब्रांडिंग का कार्य करती है।

सुकमा जहाँ सड़कें खत्म होती हैं, वहाँ से शुरू होती है उम्मीद की नई किरण

मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान और आंखों में बेहतर भविष्य की उम्मीद जगा रहा है

छत्तीसगढ़ का सुकमा जिला, जो कभी अपनी भौगोलिक दुर्गमता के लिए जाना जाता था, आज स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई इबारत लिख रहा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान के तहत वनांचल के उन हिस्सों तक डॉक्टर और दवाइयां पहुँच रही हैं, जहाँ पहुँचना कभी नामुमकिन सा लगता था। यह अभियान केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि बस्तर की पहाडियों में बसने वाले आदिवासियों के लिए जीवन का नया उजाला बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान आज सुकमा के अंतिम व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान और आंखों में बेहतर भविष्य की उम्मीद जगा रहा है।

दहलीज पर डॉक्टर- घर-घर जांच और उपचार

इस अभियान की सबसे बड़ी विशेषता इसकी पहुँच है। स्वास्थ्य कर्मी अब केवल अस्पतालों में मरीजों का इंतज़ार नहीं करते, बल्कि खुद पैदल चलकर दुर्गम गांवों तक पहुँच रहे हैं। मलेरिया, टीबी और कुष्ठ जैसी बीमारियों की मौके पर जांच कर रहे हैं। जीवनशैली बीमारियां, बीपी, शुगर, सिकलसेल और कैंसर जैसे गंभीर रोगों की पहचान कर उपचार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

संकल्प की शक्ति- 310 किलोमीटर का जीवन सफर

हाल ही में पुटेपढ़ गांव से एक मरीज को जिला अस्पताल तक पहुँचाने की घटना स्वास्थ्य विभाग के समर्पण का जीवंत उदाहरण है। कलेक्टर सुकमा के मार्गदर्शन में पोटकपल्ली की टीम ने मरीज को किस्टाराम से होते हुए सुकमा जिला अस्पताल पहुँचाया। 310 किलोमीटर की यह चुनौतीपूर्ण यात्रा केवल एक रेफरल नहीं था, बल्कि प्रभावी काउंसलिंग, समय पर निर्णय और मजबूत फॉलो-अप का परिणाम था, जिसने एक अनमोल जीवन बचा लिया।

आयुष्मान भारत- आर्थिक बेडियों से आजादी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के अनुसार आयुष्मान भारत योजना गरीब परिवारों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। 5 लाख रूपए तक का मुफ्त इलाज अब ग्रामीणों को इलाज के लिए जमीन बेचने या कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ती। हाल ही में किस्टाराम और मरईगुड़ा के 14 मरीजों के आयुष्मान कार्ड मौके पर ही बनाकर दिए गए, ताकि इलाज में एक क्षण की भी देरी न हो।

आयुर्वेद और आधुनिकता का संगम

छत्तीसगढ़ का 44 प्रतिशत वनाच्छादित क्षेत्र औषधीय गुणों का खजाना है। मुख्यमंत्री ने साय ने पद्महेमचंद मांझी के योगदान को रेखांकित करते हुए बताया कि कैसे पारंपरिक आयुर्वेद से कैंसर जैसी बीमारियों का उपचार संभव हो रहा है। राज्य सरकार अब आधुनिक चिकित्सा के साथ-साथ इन प्राकृतिक संसाधनों को भी बढ़ावा दे रही है।

जमीनी स्तर पर व्यापक प्रभाव

अभियान के अंतर्गत केवल गंभीर रोगों का ही नहीं, बल्कि सामान्य विकारों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है कोंटा क्षेत्र के 11 मरीजों को नि:शुल्क चश्मा वितरण और मोतियाबिंद का परामर्श, अस्थमा और पैरों में सूजन जैसी समस्याओं के लिए विशेष जांच शिविर आयोजित कर उपचार किया गया। पोटकपल्ली और मरईगुड़ा जैसे अंदरूनी इलाकों से आती सफलता की ये कहानियाँ इस बात का प्रमाण हैं कि जब प्रशासन और स्वास्थ्य कर्मी सेवा भाव से जुटते हैं, तो भूगोल की बाधाएं छोटी पड़ जाती हैं।

मेष राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज घर से संबंधित किसी समस्या का समाधान मिलने वाला है। आप आज अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ध्यान दे पाएंगे। बच्चों की शिक्षा और करियर से संबंधित काम हो सकता है। आज बिजनेस में आपको अच्छे ऑर्डर मिल सकते हैं। आज सिर्फ अपने कार्य की गुणवत्ता को बेहतर करने पर ध्यान देंगे।

वृष राशि- आपके लिए आज का दिन कुछ नये अनुभव लेकर आने वाला है। आज आपको अपने क्रय क्षमता को संयमित रखने की सख्त जरूरत है। आज फालतू की बातों में ध्यान बिलकुल ना दे और अपने काम पर फोकस रहें। आज दोपहर बाद परिस्थितियां सकारात्मक रहेंगी। समय के समुचित सदुपयोग से शुभ लाभ मिलने के योग है।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए यादगार रहने वाला है। आज बिजनेस में नई उपलब्धियां मिलने की संभावना है। अपने कार्यक्षेत्र में जो बदलाव किए हैं, भविष्य में उसका परिणाम काफी अच्छा और दूरगामी होगा। ऑफिशियल यात्रा करना पड़ सकती है। प्रमोशन की संभावनाएं बन रही है। दांपत्य जीवन में एक दूसरे के प्रति सम्मानजनक रवैया रहेगा और घर में सुकून भरा खुशनुमा माहौल होगा।

कर्क राशि- आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। इस समय अपने व्यक्तिगत कार्यों पर ज्यादा ध्यान दें। पिछले कुछ समय से चल रही परेशानियों से राहत मिलेगी। आज अचानक ही आपको कहीं से महत्वपूर्ण सहयोग और उचित सलाह मिलने से आपके काम को नयी गति मिलेगी।

सिंह राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहेगा। सुनियोजित दिनचर्या और नियंत्रित खान-पान से आप अपने स्वास्थ्य को अच्छा कर सकते हैं। आप अपने दम पर हर काम को करने की क्षमता महसूस करेंगे और आप ऐसा ही करेंगे भी। अगर घर के रख-रखाव संबंधी योजनाएं बन रही हैं, तो उसमें वास्तु संबंधी नियमों का भी पालन करना उचित रहेगा।

कन्या राशि- आज का दिन आपके लिए खुशनुमा रहेगा। आज आप कुछ महत्वपूर्ण आउट डोर गेम्स अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करें इससे ऐसा करके आप स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव महसूस करेंगे। किसी रिश्तेदार से चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी , इससे आपके रिश्ते में पहले से बेहतर होंगे।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए ख़ास होने वाला है। आज आपको अपने स्वभाव में पारिवारिक परिवेश के अनुसार कुछ जरूरी बदलाव करना चाहिए। आज आप किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेंगे और उसी सामाजिक संस्था की तरफ से आपको सम्मानित भी किया जाएगा।

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। आज किसी अपरिचित व्यक्ति से ज्यादा घुलना-मिलना ठीक नहीं है। आज अपनी खास बात किसी से शेयर ना करें। भविष्य से रिलेटेड निर्णय लेते समय अपनी माँ से एक बार विचार विमर्श जरूर करें आज उनके द्वारा दिए सुझाव आपके भविष्य में काफी लाभकारी साबित हो सकता है।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज व्यावसायिक कार्यप्रणाली में बेहतर सुधार होगा, जिससे आपके कार्य सुचारु रूप से पूरे होते रहेंगे। यह समय रुकी हुई पेमेंट को कलेक्ट करने और आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए बहुत सही समय है।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है यदि आज आप अच्छी तरह योजना बनाकर किसी भी रुके हुए कार्य करेंगे तो कार्य में सफलता अवश्य मिलेगी। आप अपनी विलक्षण प्रतिभा को पहचाने और पूरी ऊर्जा के साथ अपनी दिनचर्या व कार्यप्रणाली को व्यवस्थित रखने का प्रयास करें साथ ध्यान रहे कि आपके सरल स्वभाव का कुछ लोग गलत फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए कुछ सुनहरे अवसर लेकर आने वाला है। आज आप अपनी पूरी ऊर्जा जरूरतमंद लोगों की मदद में लगायेंगे। आज आपको अपने गुस्से पर काबू रखने की सख्त जरूरत है। आज जीवनसाथी और पारिवारिक सदस्यों का पूर्ण सहयोग रहेगा आपके आपसी रिश्ते सौहार्दपूर्ण बने रहेंगे। बिजनेस के कार्यों में सुधार होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आपके व्यक्तित्व में सकारात्मक बदलाव आएगा और रहन-सहन के प्रति अधिक सजग रहने की जरूरत है। आपका कर्तव्यपरायण और निष्पक्ष व्यक्तित्व आपके आस पास के लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगा। आज किसी रुके हुए काम को पूरा करने के लिए उचित समय है।

दुनिया में सैन्य खर्च बढ़ा, भारत पांचवें स्थान पर

सुनील कुमार महला

(स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट-2025)

दुनिया के देश अपने रक्षा बजट या यूं कहें कि सैन्य खर्च में अभूतपूर्व बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में सैन्य खर्च कई कारणों से तेजी से बढ़ रहा है। प्रमुख कारणों की यदि हम यहां पर बात करें तो भू-राजनीतिक तनाव और युद्ध(रूस-यूक्रेन युद्ध), इजरायल हमास युद्ध, दक्षिण चीन सागर जैसे संघर्षों ने देशों को सुरक्षा पर अधिक खर्च करने के लिए प्रेरित किया है। पड़ोसी देशों की प्रतिस्पर्धा (जैसे कि भारत, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों की आपसी प्रतिस्पर्धा) भी इसके लिए कहीं न कहीं जिम्मेदार है। ये देश अपने सामरिक संतुलन बनाए रखने के क्रम में अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी कर रहे हैं। सरल शब्दों में कहें तो जब एक देश हथियार खरीदता है, तो पड़ोसी देश भी अपनी सेना मजबूत करने लगते हैं। इसे हथियारों की दौड़ कहा जाता है। नई तकनीक और आधुनिक हथियार भी एक प्रमुख कारण बनकर उभरा है। पिछले कुछ समय से ड्रोन, साइबर सुरक्षा, मिसाइल रक्षा प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित हथियार, अंतरिक्ष रक्षा आदि पर भारी निवेश हो रहा है, जैसा कि आधुनिक युद्ध अब केवल सैनिकों से नहीं, तकनीक से भी लड़ा जाता है। आज आतंकवाद और आंतरिक सुरक्षा खतरों जैसे घुसपैठ, नशीले पदार्थों की तस्करी आदि के कारण भी दुनिया के विभिन्न देशों ने अपने सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी की है।वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा ने भी सैन्य खर्च में बढ़ोत्तरी को जन्म दिया है। सच तो यह है कि आज के समय में चीन, अमेरिका और रूस जैसे शक्तिशाली देश अपनी सैन्य शक्ति दिखाकर विश्व राजनीति में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं। इतना ही नहीं, आज हथियार उद्योग कई देशों की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा है। रक्षा सौदों से रोजगार, निर्यात और तकनीकी विकास भी जुड़ा होता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि वर्तमान समय में सैन्य खर्च बढ़ना केवल युद्ध की तैयारी नहीं, बल्कि सुरक्षा, शक्ति संतुलन, तकनीकी बढ़त और राजनीतिक प्रभाव का भी संकेत है। लेकिन अत्यधिक सैन्य खर्च से शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास क्षेत्रों पर दबाव भी बढ़ सकता है।

इस क्रम में हाल ही में एक प्रतिष्ठित न्यूज एजेंसी के हवाले से यह खबरें आई हैं कि भारत का रक्षा खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़ा, और भारत 5वां सबसे अधिक सैन्य खर्च वाला देश बन गया है। दरअसल, हाल ही में आई सिपरी की रिपोर्ट के अनुसार यह जानकारी सामने आई है कि वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर पार कर चुका है और भारत दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 में भारत का सैन्य खर्च 8.9 प्रतिशत बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया। गौरतलब है कि स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक सैन्य खर्च 2,887 अरब डॉलर तक पहुंच गया। बड़ी बात यह है कि यह लगातार 11वां साल है, जब वैश्विक सैन्य खर्च में वृद्धि दर्ज की गई है। पाठकों को बताता चलूं कि सबसे ज्यादा खर्च करने वाले पांच देशों में अमेरिका, चीन, रूस, जर्मनी और भारत शामिल हैं, जिनका वैश्विक खर्च में कुल योगदान 58 प्रतिशत है। सरल शब्दों में कहें तो सेना पर सर्वाधिक खर्च करने वाले देशों में अमेरिका, चीन, रूस और जर्मनी आज दुनिया में सबसे आगे पहुंच चुके हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और जर्मनी का सैन्य खर्च क्रमश: 954,864,336,190 तथा 114 अरब डॉलर हो गया है। कहना ग़लत नहीं होगा कि इससे वैश्विक जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पर भार में बढ़ोत्तरी हुई है। जानकारी अनुसार दुनियाभर में सैन्य खर्च के चलते वैश्विक जीडीपी पर भार 2024 में 2.4 प्रतिशत था, जो 2025 में बढ़कर 2.5 प्रतिशत हो गया है। दुनियाभर में सरकारों का सेना पर औसत खर्च 2024 में 7 प्रतिशत था, जो 2025 में घटकर 6.9 प्रतिशत हो गया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि ईरान-इजरायल का खर्च घटा है। पाठकों को बताता चलूं कि इजरायल का सैन्य खर्च 4.9 फीसदी घटकर 48.3 अरब डॉलर रहा, वहीं दूसरी ओर ईरान का खर्च लगातार दूसरे साल घटा, तथा वर्ष 2025 में यह 7.4 अरब डॉलर रह गया। आंकड़े बताते हैं कि नाटो का सैन्य खर्च 14 फीसदी बढ़कर कुल 864 अरब डॉलर हो गया, वहीं पर स्पेन ने सैन्य खर्च 50 फीसदी बढ़ाया है, और कुल बजट 40.2 अरब डॉलर हो गया। इधर, मध्य-पूर्व में सेना पर 218 अरब डॉलर खर्च हुए, वर्ष 2024 से 0.1 प्रतिशत कम।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत के रक्षा खर्च में वृद्धि की एक बड़ी वजह पिछले मई में भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष बताया गया है, जिसमें लड़ाकू विमानों, ड्रोन्स व मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ। इसी के चलते पाकिस्तान का सैन्य खर्च भी 11 प्रतिशत बढ़कर 11.9 अरब डॉलर हो गया। दरअसल, पाकिस्तान ने चीन से नए हथियार भी खरीदे। गौरतलब है कि इससे वैश्विक स्तर पर सैन्य खर्च का बोझ (जीडीपी के अनुपात में) 2.5 प्रतिशत तक पहुंच गया, जो कि साल 2009 के बाद सबसे अधिक है। मतलब यह है कि प्रति व्यक्ति औसतन 352 डॉलर सैन्य खर्च किया गया। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका का सैन्य खर्च 7.5 प्रतिशत घटकर 954 अरब डॉलर रहा, जिसका कारण यूक्रेन को नई वित्तीय सहायता का न मिलना बताया गया। इसके विपरीत यूरोप में 14 प्रतिशत और एशिया व ओशिनिया क्षेत्र में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इतना ही नहीं, चीन दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश है। दरअसल, चीन ने साल 2025 में अपना रक्षा बजट 7.4 प्रतिशत बढ़ाकर 336 अरब डॉलर कर दिया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि यह लगातार 31 वां वर्ष है जब चीन ने अपने देश का रक्षा खर्च बढ़ाया है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर युद्ध, भू-राजनीतिक तनाव व सुरक्षा चिंताओं के चलते देशों ने हथियारों व रक्षा तैयारियों पर खर्च बढ़ाया है।

मेरठ और प्रयागराज के बीच बना यह एक्सप्रेसवे मां गंगा का आशीर्वाद है : पीएम मोदी

नई दिल्ली (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के हरदोई में गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मेरठ और प्रयागराज के बीच बना यह एक्सप्रेसवे मां गंगा का आशीर्वाद है और इससे दोनों शहरों के बीच आवागमन सुगम हो सकेगा। उन्होंने इस राजमार्ग को उत्तर प्रदेश की जीवनरेखा बताया। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल चुनावों के बारे में भी बात की और कहा कि दूसरे चरण में भी बड़ी संख्या में लोग मतदान करने निकले। उन्होंने कहा कि पिछले चुनावों के विपरीत, इस बार चुनाव भय के माहौल के बिना संपन्न हो रहे हैं। इसे लोकतंत्र के सुदृढ़ होने का संकेत बताते हुए उन्होंने मतदान प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी के लिए बंगाल के लोगों की सराहना की। बंगाल में मतदान का दूसरा चरण इस समय जारी है और

रिपोर्टों से पता चलता है कि भारी संख्या में लोग मतदान कर रहे हैं। पहले चरण की तरह ही, लोग बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए निकल रहे हैं। लंबी कतारों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। बंगाल में मतदान एक ऐसे निर्भीक वातावरण में हो रहा है, जिसकी पिछले छह-सात दशकों में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। लोग बिना किसी डर के अपना वोट डाल रहे हैं। यह देश के संविधान और देश में मजबूत होते लोकतंत्र का एक उत्कृष्ट प्रतीक है। मैं बंगाल की जनता के प्रति अपने अधिकारों के प्रति इतनी सजगता दिखाने और बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। मतदान समाप्त होने में अभी भी कई घंटे शेष हैं। मैं बंगाल की जनता से आग्रह करता हूं कि वे लोकतंत्र के इस उत्सव में उसी उत्साह के साथ भाग लें। उन्होंने बिहार विधानसभा और गुजरात नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत की सराहना करते हुए कहा कि भगवा पार्टी इन पांचों राज्यों में विधानसभा चुनाव जीतकर हैट्रिक बनाएगी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि इन पांचों राज्यों के चुनावों में भाजपा जीत की ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी करेगी। 4 मई के नतीजे विकसित भारत के संकल्प को और मजबूत करेंगे। ये देश के विकास की गति में नई ऊर्जा का संचार करेंगे।

झाड़ग्राम ज़िले के गुप्तमणि में, राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बनाए जा रहे एक निर्माणाधीन हाथी गलियारा पुल का एक हिस्सा ढह जाने के बाद, मज़दूर बचाव अभियान चला रहे हैं।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला, बोले- ये विकास नहीं, विनाश है

नई दिल्ली (ए.)। ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों के दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वहां के पेड़ याद से भी पुराने हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जंगल पीढ़ियों से पोषित हुए हैं और द्वीप पर रहने वाले सुंदर लोगों को उनका हक छीना जा रहा है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को नई दिल्ली की ग्रेट निकोबार में चल रही 81,000 करोड़ रुपये की सबसे महत्वाकांक्षी रणनीतिक अवसंरचना परियोजना पर निशाना साधते हुए इसे हमारे जीवनकाल में देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े

घोटालों और सबसे जघन्य अपराधों में से एक बताया। कांग्रेस नेता, जो वर्तमान में द्वीप का दौरा कर रहे हैं, ने कहा कि केंद्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना विकास की आड़ में विनाश के अलावा कुछ नहीं है। राहुल ने एक्स पर लिखा कि सरकार इसे परियोजना कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है। यह लाखों पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया है। यह 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन है जिसे नष्ट होने के लिए अभिशप्त किया गया है। यह उन समुदायों को नजरअंदाज किया गया है जिनके घर छीन लिए गए हैं। ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों के दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वहां के पेड़ याद से भी पुराने हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जंगल पीढ़ियों से पोषित हुए हैं और द्वीप पर रहने वाले सुंदर लोगों को उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इसे 'परियोजना' कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है।

हरियाणा में जल संकट गहराया, सरकार तुरंत सुनिश्चित करे नियमित पेयजल आपूर्ति : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,(आरएनएस)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में गर्मी की शुरुआत के साथ ही पेयजल संकट गंभीर रूप ले चुका है। प्रदेश के कई जिलों, विशेषकर सिरसा के ऐलनाबाद क्षेत्र समेत विभिन्न इलाकों में पानी की भारी कमी देखी जा रही है। हालात ऐसे हैं कि कई स्थानों पर पानी की राशनिंग तक करनी पड़ रही है और लोगों को टैंकरों के सहारे रहना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि एक ओर पानी की किल्लत है, वहीं दूसरी ओर बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। भीषण गर्मी के बीच लंबे-लंबे बिजली कट आम जनता के लिए परेशानी का कारण बन रहे हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिस हरियाणा को विकसित राज्य बताया जाता है, वहां आज गांवों और शहरों में पंचायतों की सबसे बड़ी मांग पेयजल टैंकर बन गयी है। यह स्थिति राज्य की जल प्रबंधन व्यवस्था की विफलता को दर्शाती है। उन्होंने बताया कि अपने सांसद कोटे से उन्होंने कई गांवों में पानी के टैंकर उपलब्ध करवाये हैं, लेकिन इसके बावजूद मांग लगातार बढ़ रही है।उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि पेयजल आपूर्ति को तुरंत प्रभाव से नियमित और सुचारू बनाया जाये, ताकि लोगों को राहत मिल सके। साथ ही बिजली आपूर्ति में भी सुधार किया जाये।सैलजा ने कहा कि सिरसा के ऐलनाबाद और नाथुसरी चोपटा क्षेत्र के लोग राजस्थान से पानी लाकर गुजारा कर रहे हैं, जबकि कई गांवों में लोगों को पानी खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि यमुना में जहां 8000 क्यूसेक पानी की जरूरत है, वहां केवल 1500 क्यूसेक पानी मिल रहा है। प्रदेश में 38 बीसीएम पानी की आवश्यकता के मुकाबले नहरी और बरसाती पानी से केवल 20 बीसीएम ही उपलब्ध हो पा रहा है, जबकि शेष 18 बीसीएम की पूर्ति भूजल के दोहन से की जा रही है। सांसद ने कहा कि हरियाणा सरकार को अपने हिस्से के पानी के लिए पंजाब पर दबाव बनाना चाहिए। रावी-ब्यास नदी से हरियाणा को 3.5 एमएएफ पानी मिलना चाहिए, लेकिन वर्तमान में केवल 1.88 एमएएफ ही मिल रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस बार भीषण गर्मी की संभावना को देखते हुए सरकार को अभी से पेयजल आपूर्ति की ठोस व्यवस्था करनी चाहिए। साथ ही पशुओं के लिए जोहड़ों में पर्याप्त पानी भरा जाये और बिजली व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जाये, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

राजनाथ सिंह के बयान पर बवाल, कांग्रेस बोली- अमेरिका को खुश करने की मोदी पॉलिसी

नई दिल्ली (ए.)। कांग्रेस ने बुधवार को आरोप लगाया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सम्मेलन में आतंकवाद के विषय पर पाकिस्तान को शर्मनाक क्लीन चीट दी और यह सब अमेरिका को खुश करने तथा चीन के सामने संतुलित समर्पण की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नीति का हिस्सा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि यह उसी तरह की क्लीन चिट है जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जून, 2020 में भारत-चीन के बीच तनाव के समय अपने बयान से बीजिंग को दी थी। रक्षा मंत्री ने मंगलवार को कहा था कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने भारत के ''दृढ़ संकल्प'' को दिखाया कि ''आतंकवाद के केंद्रों को न्यायोचित दंड से अब छूट नहीं है।'' सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन के एक सम्मेलन में यह भी कहा था, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आतंकवाद की कोई राष्ट्रीयता और कोई धर्म नहीं होता। कोई भी शिकायत, चाहे वास्तविक हो या काल्पनिक, आतंकवाद और मानवीय क्षति का बहाना नहीं बन सकती।'' रमेश ने उनके बयान को लेकर 'एक्स' पर पोस्ट किया, कल रक्षा मंत्री ने स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री मोदी की स्वीकृति और उनके निर्देश पर, बिश्केक में पाकिस्तान को शर्मनाक क्लीन चिट दे दी। उन्होंने सवाल किया, क्या पाकिस्तान आतंकवाद का केंद्र नहीं है? क्या पाकिस्तान में ऐसे आतंकी कैंप नहीं हैं, जिनका निशाना भारत है? क्या पाकिस्तान में भारत-विरोधी सोच को बढ़ावा नहीं दिया जाता?

कैबिनेट के अहम फैसले : शहरी गैस नीति 2026 को मंजूरी, राहत और विकास पर जोर

रायपुर,(आरएनएस)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में जनसुविधा, बुनियादी ढांचे और प्रशासनिक सुधार से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सबसे प्रमुख निर्णय 'छत्तीसगढ़ शहरी गैस वितरण नीति 2026' को मंजूरी देना रहा, जिससे प्रदेश में स्वच्छ और किफायती ईंधन की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। नई नीति के तहत शहरी क्षेत्रों में पाइपलाइन के माध्यम से प्राकृतिक गैस की आपूर्ति का विस्तार किया जाएगा। इससे आम उपभोक्ताओं को एलपीजी के मुकाबले सस्ता और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। साथ ही, इस पहल से पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ राज्य में गैस पाइपलाइन नेटवर्क के विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। मंत्रिपरिषद ने खेल अधोसंरचना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राजनांदगांव जिला क्रिकेट एसोसिएशन को क्रिकेट अकादमी और आधुनिक खेल मैदान के निर्माण के लिए 5 एकड़ भूमि रियायती दर पर आवंटित करने का निर्णय लिया है।

पंजाब में धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को मिलेगी 1500 रुपये प्रति एकड़ प्रोत्साहन राशि

कपूरथला,(आरएनएस)। पंजाब सरकार धान की सीधी बिजाई करने वाले किसानों को 1500 रुपये प्रति एकड़ के हिसाब से प्रोत्साहन राशि देगी जिसके लिए 10 मई से विभाग के पोर्टल पर पंजीयन शुरू होगा। उपायुक्त आकाश बंसल ने मंगलवार को बताया कि इस योजना का लाभ लेने के लिए किसान 10 मई से विभाग के पोर्टल पर जाकर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीयन के दौरान किसानों को अपना आधार नंबर भरना होगा और उनकी व्यक्तिगत तथा बैंक संबंधी जानकारी 'अनाज खरीद/ई-मंडीकरण' पोर्टल के अनुसार ही प्राप्त की जाएगी। किसानों को केवल अपनी सीधी बिजाई के अधीन रकबा, जिला, तहसील, गांव तथा खेवट/खसरा नंबर संबंधी विवरण देना होगा। उन्होंने जिले के किसानों से अपील की कि पानी की बचत के लिए अधिक से अधिक रकबे में धान की सीधी बिजाई को प्राथमिकता दी जाए।

नागपुर में 1 मई से शुरू होगी जनगणना, घर बैठे ऑनलाइन भरें अपनी जानकारी

नागपुर (ए.)। नागपुर में भारत की 16वीं राष्ट्रीय जनगणना की प्रक्रिया 1 मई से शुरू होने जा रही है। नागपुर नगर निगम ने इस अभियान को जन कल्याण के लिए जनगणना थीम के साथ शुरू करने का फैसला किया है। यह पूरी प्रक्रिया डिजिटल-फर्स्ट होगी, जिसका मतलब है कि इसमें डिजिटल साधनों का सबसे पहले इस्तेमाल किया जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया दो भागों में पूरी की जाएगी। पहला चरण (1 से 15 मई): इस दौरान नागरिकों को खुद से अपनी जानकारी ऑनलाइन भरने (सेल्फ-एन्यूमरेशन) की सुविधा मिलेगी। दूसरा चरण (16 मई से 14 जून): इस दौरान सरकारी कर्मचारी (गणनाकार) घर-घर जाकर सर्वेक्षण करेंगे। वे हाउस लिस्टिंग ऑपरेशन मोबाइल ऐप का इस्तेमाल करके जानकारी दर्ज करेंगे। इस काम के लिए नागपुर नगर निगम की सीमा के भीतर लगभग 4,500 गणनाकारों और 700 पर्यवेक्षकों को तैनात किया गया है। हर एक गणनाकार को जिम्मेदारी दी गई है कि वह लगभग 800 निवासियों का डेटा इकट्ठा करे। नागरिक अपने मोबाइल फोन या कंप्यूटर का उपयोग करके आधिकारिक पोर्टल se.census.gov.in पर अपनी जानकारी भर सकते हैं। यह पोर्टल 16 भाषाओं में काम करता है। जब परिवार के मुखिया फॉर्म भर लेंगे, तो उन्हें 11 अंकों की एक SE ID मिलेगी। घर पर आने वाले गणनाकारों को यह ID दिखाना अनिवार्य होगा। नगर आयुक्त विपिन इटनकर ने सभी कर्मचारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे डिजिटल उपकरणों का सही इस्तेमाल करें ताकि डेटा बिल्कुल सही भरा जाए।

धू-धू कर जला शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, 12 दमकल गाड़ियों ने पाया काबू

जयपुर (ए.)। राजस्थान के कोटा स्थित सिटी मॉल की दूसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई, जिसके चलते अधिकारियों को घटनास्थल पर 12 दमकल गाड़ियां भेजनी पड़ीं। कोटा पुलिस ने बताया कि मॉल अभी खुला नहीं था, इसलिए हताहतों की संभावना नगण्य है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि आग दूसरी मंजिल पर लगी थी और आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है, हालांकि धुआं अभी भी मौजूद है। दमकल अधिकारी अमजद खान ने पत्रकारों को बताया, आग लगने की सूचना लगभग डेढ़ घंटे पहले मिली थी। हमने सभी स्टेशनों से दमकल गाड़ियां भेजीं। आग की तीव्रता को देखते हुए, कुल 12 दमकल गाड़ियां फिलहाल आग बुझाने के काम में लगी हुई हैं। आग पर काफी हद तक काबू पा लिया गया है; अब हम धुएं को कम करने की कोशिश कर रहे हैं। 12 दमकल गाड़ियों में लगातार ईंधन भरा जा रहा है और उन्हें आग बुझाने के काम में लगाया जा

रहा है। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने कहा हालांकि मॉल बंद कर दिया गया है, लेकिन आग बुझने के बाद हमारी प्राथमिकता यह पता लगाना है कि कहीं कोई अंदर फंसा तो नहीं है आग को फैलने से रोकने और आगे कोई दुर्घटना न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक दर्जन से अधिक दमकल स्टेशन, एसडीआरएफ कर्मी, नागरिक सुरक्षा और पुलिस बचाव दल अभियान में लगे हुए हैं। हम आग लगने के कारण की आगे जांच करेंगे। इस महीने की शुरुआत में बालोतरा जिले के पचपदरा में स्थित रिफाइनरी-सह-पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई, जिसके बाद अग्निशमन वाहनों के पहुंचने और आग बुझाने के अभियान जारी रहने के दौरान परिसर के ऊपर काला धुआं दिखाई दे रहा था। उसी दिन, गाजियाबाद के इंदिरापुरम के अभय खंड इलाके में गौर ग्रीन एवेन्यू में एक अलग जगह आग लग गई, जिससे निवासियों में दहशत फैल गई। दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के लिए काम कर रही हैं। आग लगने का कारण अभी तक अज्ञात है और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल कुमार ने बताया कि सभी लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया था और कोई हताहत नहीं हुआ। उन्होंने यह भी बताया कि 17 से अधिक दमकल गाड़ियों की मदद से गाजियाबाद में लगी आग पर काबू पा लिया गया।

अंबाला कैंट में नयी सड़क एवं प्रशिक्षण संस्थान को मंजूरी

चंडीगढ़,(आरएनएस)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा है कि अंबाला कैंट के रंगिया मंडी से जीटी रोड तक नयी सड़क निर्माण के लिए रेलवे से भूमि 35 वर्ष की लीज पर लेने को राज्य सरकार ने मंजूरी दे दी है। इस परियोजना के तहत राज्य सरकार रेलवे को लगभग चार करोड़ रुपये देगी। उन्होंने कहा कि करीब 500 मीटर लंबी और 10 मीटर चौड़ी यह सड़क रंगिया मंडी ओवरब्रिज से जीटी रोडतक बनायी जाएगी। इससे सदर बाजार और महेशनगर क्षेत्र को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और लोगों को स्टाफ रोड का लंबा चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। इसके अलावा, शाहपुर में ड्राइविंग ट्रेनिंग एवं रिसर्च संस्थान (आईडीटीआर) और ऑटोमेटेड व्हीकल टेस्टिंग स्टेशन (एटीएस) स्थापित करने के लिए भूमि नगर परिषद से परिवहन विभाग को ट्रांसफर करने की मंजूरी भी मिल गई है। लगभग 13 एकड़ में बनने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए 11.49 करोड़ रुपये पहले ही स्वीकृत किये जा चुके हैं। श्री विज ने बताया कि आईडीटीआर से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, जबकि एटीएस के जरिए हर सप्ताह करीब 300 वाहनों की फिटनेस जांच की जा सकेगी।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में जलवायु परिवर्तन के साथ लचीलेपन को आगे बढ़ाना संवाद में मुख्य भाषण दिया।

आरोपी पत्नी सोनम को जमानत मिलने से मृतक राजा रघुवंशी का परिवार सदमे में, सीबीआई जांच की मांग

शिलोंग (ए.)। मेघालय की एक स्थानीय अदालत द्वारा सोनम रघुवंशी को जमानत दिए जाने के फैसले ने इंदौर में रहने वाले मृतक राजा रघुवंशी के परिवार को गहरे सदमे और आक्रोश में डाल दिया है। मंगलवार को परिजनों ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए इस पूरे हत्याकांड की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। मेघालय की एक स्थानीय अदालत में सोनम की जमानत अर्जी मंजूर होने की खबर मिलते ही इंदौर में राजा रघुवंशी के परिवार को करारा झटका लगा। राजा की भावुक मां उमा ने संवाददाताओं से कहा कि सोनम उनके बेटे के हत्याकांड की कथित तौर पर मुख्य साजिशकर्ता है और उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि आखिर उसे जमानत कैसे मिल गई। उन्होंने कहा कि मेघालय पुलिस ने पिछले नौ महीने में इस मामले की अच्छी तरह जांच की, 'लेकिन यह उनकी समझ से परे है कि महीने-दो महीने में खेल अचानक कैसे बदल गया?' राजा की मां ने कहा,''हम सरकार से एक ही मांग करते हैं कि हत्याकांड के शिकार मेरे बेकसूर बेटे को इंसाफ मिले। मुझे इस मामले में सीबीआई जांच चाहिए। राजा के बड़े भाई विपिन ने कहा कि उनका परिवार सोनम को जमानत देने के निचली अदालत के फैसले को मेघालय उच्च न्यायालय में चुनौती देगा। उन्होंने कहा,''सोनम की जमानत अर्जी के पक्ष में अदालत में पैरवी करते वक्त उसके वकील ने इस बात को मुख्य आधार बनाया कि मेघालय पुलिस ने उसके मुवक्किल को गिरफ्तार करते वक्त उसे गिरफ्तारी के विशिष्ट कारण की सूचना उचित तरीके से नहीं दी थी जिससे कानूनी प्रावधानों का उल्लंघन हुआ। विपिन ने जांच में 'हेर-फेर' का संदेह जताते हुए कहा कि अभियोजन पक्ष ने उन्हें अब तक न तो आरोप-पत्र की प्रति प्रदान की है, न ही उन्हें से ठीक से देखने का मौका मिला है। अधिकारियों ने बताया कि अपने पति राजा रघुवंशी की साजिशन हत्या में शामिल होने के आरोप में सोनम को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर से नौ जून 2025 को गिरफ्तार किया गया था और वह 10 महीने से अधिक समय तक शिलांग के जिला कारागार में न्यायिक हिरासत के तहत बंद थी।

हेट स्पीच पर पहले से ही कानून मौजूद, एससी ने खारिज की याचिकाएं; नई गाइडलाइन बनाने से इनकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि, हेट स्पीच के अपराध से निपटने के लिए मौजूदा कानून काफी हैं। इसमें कोई कानूनी खालीपन नहीं है, जिसके लिए कोर्ट को दखल देने की जरूरत हो। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि, किसी अपराध के लिए सजा तय करना पूरी तरह से विधायिका के अधिकार क्षेत्र में आता है।फैसला सुनाते हुए जस्टिस नाथ ने आगे कहा, शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत पर आधारित संवैधानिक व्यवस्था न्यायपालिका को न्यायिक निर्देशों के जरिए, नए अपराध बनाने या आपराधिक दायित्व के दायरे को बढ़ाने की इजाजत नहीं देती है। कोर्ट ने आगे कहा कि, याचिका कर्ताओं की शिकायत कानून की कमी से नहीं, बल्कि उसके लागू न होने की कमी से है।

परिणीति चोपड़ा का पुराना वीडियो खूब हो रहा वायरल

मुंबई (ए.)। हाल ही में राघव चड्ढा राजनीतिक गलियारों में उस वक्त सुर्खियों में आ गए, जब वे आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। उनके साथ ही स्वाति मालीवाल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, राजिंदर गुप्ता और विक्रम साहनी जैसे कई अन्य प्रमुख चेहरे भी भाजपा में शामिल हुए हैं। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, परिणीति चोपड़ा का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा

है, जिसमें वह खुले तौर पर यह कहती हुई दिख रही हैं कि वह कभी किसी राजनेता से शादी नहीं करेंगी। यह वायरल वीडियो एक फिल्म के प्रमोशन के दौरान का है, जब परिणीति चोपड़ा से उनके आदर्श जीवनसाथी और शादी की पसंद के बारे में पूछा गया था। उस समय, अभिनेत्री ने एक हॉलीवुड एक्टर का नाम लिया था, जिसे वह अपने पार्टनर के रूप में देखती थीं। जब उनसे विशेष रूप से यह सवाल किया गया कि क्या वह किसी राजनेता से शादी करेंगी, तो परिणीति ने स्पष्ट शब्दों में कहा था, समस्या ये है कि मैं किसी भी पॉलिटिशयन से शादी नहीं करना चाहती। बहुत सारे अच्छे ऑप्शन हैं, लेकिन मैं कभी किसी पॉलिटिशियन से शादी नहीं करना चाहती। उनका यह बयान अब राघव चड्ढा के भाजपा में शामिल होने के बाद एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि उनके जीवन की वर्तमान वास्तविकता उनके पुराने बयान से बिल्कुल उलट है। उसी इंटरव्यू में, परिणीति चोपड़ा ने अपने सपनों के पार्टनर के बारे में भी विस्तार से बताया था। उन्होंने कहा था कि उनके आइडल पार्टनर को फनी होना चाहिए, अच्छी खुशबू आनी चाहिए और मुझे रिस्पेक्ट करना चाहिए। परिणीति को यात्रा करना, पानी, समुंदर और डाइविंग जैसी चीजें बेहद पसंद हैं, और वह चाहती थीं कि उनका पार्टनर भी इन रुचियों को साझा करे। उन्होंने यह भी कहा था कि वह ऐसे पुरुषों को पसंद करती हैं जिनकी खुद की पहचान हो और जिन्होंने अपनी जिंदगी खुद के दम पर बनाई हो। यह सभी गुण उनके पति राघव चड्ढा में पाए जाते हैं, जिन्होंने अपनी राजनीतिक पहचान खुद बनाई है। गौरतलब है कि परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एक साथ पढ़ाई की थी, जहाँ से उनकी दोस्ती परवान चढ़ी। कई बार डेट पर जाने के बाद, दोनों ने सितंबर 2023 में राजस्थान के उदयपुर स्थित लीला पैलेस में एक भव्य समारोह में शादी की। उनकी शादी का हर पल बेहद खास और खूबसूरत था, जिसमें परिणीति ने अपनी शादी में खुद के गाए हुए गाने पर वेडिंग एंट्री की थी, जो उन्होंने विशेष रूप से राघव के लिए तैयार किया था। पिछले साल अक्टूबर 2025 में इस खूबसूरत जोड़े ने अपने पहले बच्चे, एक बेटे का स्वागत किया, जिसका नाम उन्होंने नीर रखा है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा और आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुए नेता राघव चड्ढा इस समय देश के सबसे चर्चित दंपतियों में से एक हैं। अपनी प्यारी केमिस्ट्री और सार्वजनिक आयोजनों में लगातार साथ नज़र आने के कारण यह जोड़ा लोगों का दिल जीत रहा है।

खलनायक 2 के बाद अब ताल 2 की स्क्रिप्ट भी तैयार

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त अभिनीत ब्लॉकबस्टर फिल्म खलनायक के सीक्वल खलनायक 2 को लेकर चर्चाएं गर्म हैं, वहीं अब साल 1999 की म्यूजिकल सुपरहिट फिल्म ताल के सीक्वल को लेकर भी बड़ा अपडेट मिला है। हाल ही में फिल्म के दिग्गज निर्देशक सुभाष घई ने पुष्टि की है कि ताल 2 की स्क्रिप्ट लगभग तैयार है और इस परियोजना पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। यह खबर सिर्फ पुराने फैंस के लिए ही नहीं, बल्कि नई पीढ़ी (जेन-जी) के दर्शकों के लिए भी उत्सुकता का विषय बन गई है, जो इस क्लासिक को फिर से बड़े पर्दे पर देखने की मांग कर रहे हैं। साल 1999 में रिलीज हुई ताल हिंदी सिनेमा की उन चुनिंदा फिल्मों में से एक है, जिसने संगीत, रोमांस और विजुअल स्टाइल के मामले में एक नया मानक स्थापित किया था। सुभाष घई के निर्देशन में बनी इस फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, अक्षय खन्ना और अनिल कपूर ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं, और इसका संगीत आज भी लोगों की जुबान पर है।

हाल ही में फिल्ममेकर सुभाष घई ने बताया कि पिछले 15 सालों से उनसे ताल के सीक्वल को लेकर

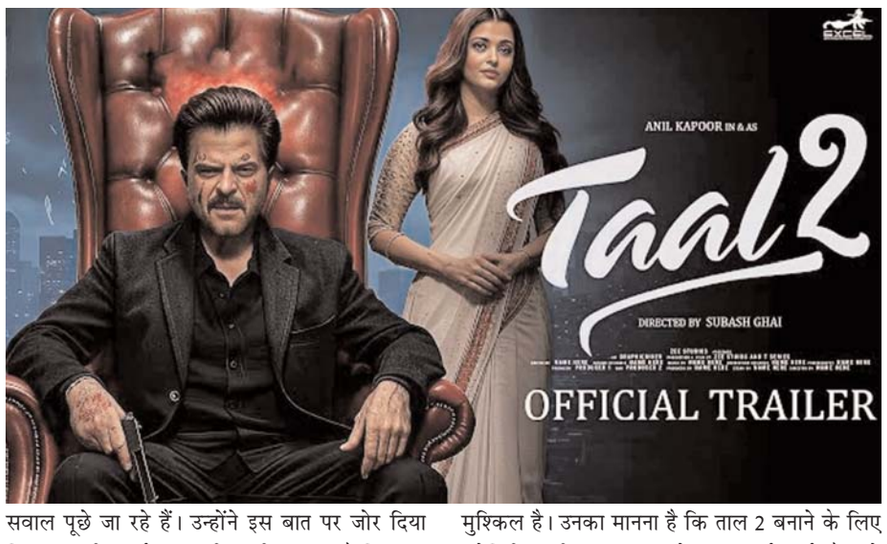

सवाल पूछे जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ताल की ऊर्जा आज भी इतनी मजबूत है कि युवा दर्शक भी इसे पसंद करते हैं और इसके नए भाग की बेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। हालांकि, सुभाष घई ने यह भी स्पष्ट किया कि फिल्म का विषय जितना आसान लगता है, उसे सिनेमाई पर्दे पर उतारना उतना ही मुश्किल है। उनका मानना है कि ताल 2 बनाने के लिए प्योरिटी यानी शुद्धता सबसे महत्वपूर्ण शर्त है, जो पहली फिल्म की आत्मा थी। सुभाष घई ने पहली फिल्म की सफलता का एक बड़ा कारण उसकी सादगी और फ्रेशनेस को बताया। उस समय ऐश्वर्या राय बच्चन और अक्षय खन्ना इंडस्ट्री में अपेक्षाकृत नए चेहरे थे, जिनकी वजह से उनके किरदारों में एक मासूमियत और ताजगी दिखाई दी। वहीं, अनिल कपूर पहले से ही एक स्थापित स्टार थे और फिल्म में उनका वही स्टारडम दिखाया गया था, जो कहानी के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। सुभाष घई ने कास्टिंग को लेकर भी एक अहम बात कही।

उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी कुछ फिल्में जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाईं, उसका एक बड़ा कारण गलत कास्टिंग रही थी। ऐसे में ताल 2 के लिए सही कलाकारों का चयन करना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी होगी, जो कहानी के किरदारों में जान फूंक सकें। उन्होंने कहा कि किरदारों की मांग के अनुसार नए चेहरों को चुना जाएगा, ताकि कहानी में वही ताजगी बनी रहे जो पहली फिल्म की पहचान थी। कुछ दिनों पहले सुभाष घई ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए लिखा था - शांति या जुनून? लौकिक या कॉस्मेटिक? आंतरिक या बाहरी? क्या हम आज ताल 2 बना सकते हैं? यह सवाल मेरे मन में है। उन्होंने यह भी जिक्र किया था कि ताल एक ऐसी फिल्म थी, जिसमें न कोई विलेन था, न ही कोई अनावश्यक सेक्स या हिंसा।

कलाकारों को केवल मनोरंजन का साधन ना समझे : कैलाश खेर

मुंबई (ए.)। हाल ही में सूफी अंदाज में गायन के लिए मशहूर गायक कैलाश खेर ने कहा कि कलाकारों को केवल मनोरंजन का साधन या जोकर नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने इस तरह की मांगों को अनुचित बताया और संगीतकारों की तुलना अन्य क्षेत्रों के सम्मानित पेशेवरों से की, जिससे उनकी बात में और वजन आ गया।

कैलाश खेर हाल ही में दिल्ली में आयोजित एक प्रतिष्ठित अवॉर्ड शो के मंच पर अपनी बेबाक राय व्यक्त कर चर्चा में आ गए हैं। जब उनसे समारोह में कुछ पंक्तियाँ गाने की गुजारिश की गई, तो उन्होंने न सिर्फ विनम्रता से इनकार किया, बल्कि आयोजकों और कार्यक्रम में उपस्थित दर्शकों को भी एक महत्वपूर्ण नसीहत दी। अपने शब्दों में जोर देते हुए कैलाश खेर ने कहा, यह वैसा ही है जैसे आप किसी महान क्रिकेटर, जैसे सचिन तेंदुलकर, से कहें कि ज़रा एक छक्का लगाकर दिखा दीजिए? या किसी सैनिक से यह उम्मीद करें कि अपनी पोजीशन लेकर एक गोली चलाकर दिखा दे। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की मांगें कलाकारों की गरिमा के खिलाफ हैं।

उनकी यह टिप्पणी उनके भीतर की उस ललक और इच्छा को दर्शाती है, जिसके तहत वे गायक और संगीत की छवि को बदलना चाहते हैं। वे चाहते हैं कि संगीत को केवल दो लाइन गा दीजिए, मूड बना दीजिए वाली सतही सोच से ऊपर उठकर देखा जाए। कैलाश खेर ने भावुक होकर कहा, यह बहुत गलत है। यह रिक्वेस्ट ही मत कीजिए। कलाकार को जोकर मत बनने दीजिए। साधक को एक मनोरंजनक मत बनाइए। कलाकार साधक होते हैं, वह अपने मन के होते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कलाकार अपने कला के प्रति समर्पित होते हैं और उन्हें केवल तात्कालिक मनोरंजन के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। कैलाश खेर के इस वीडियो के वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर मिली-जुली प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। एक तरफ जहाँ कई इंटरनेट उपयोगकर्ताओं ने उनकी बात से सहमति जताई और उनकी प्रतिक्रिया की सराहना की, वहीं कुछ लोगों ने इसकी आलोचना भी की। सहमति जताने वालों ने इसे दमदार जवाब और आखिरकार किसी ने ये बात कही जैसे कैप्शन के साथ साझा किया।

गीता बसरा ने बांधे दिलजीत दोसांझ के तारीफों के पुल

मुंबई (ए.)। मशहूर गायक और अभिनेता दिलजीत दोसांझ के करिश्माई व्यक्तित्व को देखते हुए पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री गीता बसरा ने उन्हें मनोरंजन का फुल पैकेज बताया है। दिलजीत के कॉन्सर्ट के टिकट मिनटों में बिक जाते हैं और सोशल मीडिया पर उनकी हर अदा पर फैंस जान छिड़कते हैं। पंजाबी आइकन अवॉर्ड्स 2026 के दौरान, गीता बसरा ने आईएएनएस के साथ अपनी बातचीत में दिलजीत के प्रति अपनी दीवानगी जाहिर की और उन्हें अपना ऑल-टाइम फेवरेट पंजाबी कलाकार बताया। गीता ने दिलजीत की खूबियों पर बात करते हुए कहा कि वह एक साथ कई प्रतिभाओं के धनी हैं। उन्होंने कहा, दिलजीत सिर्फ एक बेहतरीन अभिनेता ही नहीं बल्कि एक शानदार गायक भी हैं। उनकी आवाज में वो जादू है, जो सीधे दिल तक पहुंचती है। वह एक लाजवाब सिंगर होने के साथ-साथ एक कमाल के एंटरटेनर भी हैं। सही मायनों में देखा जाए तो वह मनोरंजन का एक फुल पैकेज हैं, जो हर मंच पर अपना सौ प्रतिशत देते हैं। गीता बसरा ने इस बात पर भी जोर दिया कि दिलजीत ने पंजाबी संस्कृति और संगीत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दी है। वे कहती हैं, जिस तरह से दिलजीत ने ग्लोबल लेवल पर अपना नाम बनाया है, वैसा कारनामा अब तक बहुत कम कलाकार कर पाए हैं।

बीच सड़क पर नीतू सिंह के साथ डांस करते दिखे रणबीर कपूर, मां-बेटे की जोड़ी ने जीत लिया दिल, वीडियो वायरल

नीतू सिंह 70 और 80 के दशक की चर्चित एक्ट्रेस हैं। उन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। अब 60 पार की उम्र में भी वे खूब एक्टिव रहती हैं और अपने स्टाइल से फैंस को चौंकाती हैं। हाल ही में नीतू सिंह का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे एक्टर बेटे रणबीर कपूर के साथ मजाकिया अंदाज में डांस करती दिखी हैं।

मां नीतू सिंह के साथ रणबीर ने किया डांस

फिल्म जगत में कपूर परिवार का अपना रुआब है। जहां भी इस परिवार के सदस्य नजर आएं, पैपराजी के कैमरे अपने आप मुड़ जाते हैं। उसमें भी रणबीर कपूर की तो बात ही अलग है। हाल ही में कुछ ऐसा ही हुआ। रणबीर कपूर अपनी मां नीतू सिंह के साथ नजर आए। इस दौरान दोनों ने सिर्फ पोज ही नहीं दिए, बल्कि मजेदार अंदाज में डांस भी करके दिखाया।

फैंस ने लुटाया मां-बेटे की जोड़ी पर प्यार

रणबीर कपूर ब्लू डेनिम डींस और लेमन कलर की शर्ट में नजर आ रहे हैं। वहीं, नीतू सिंह डेनिम ब्लू जींस, व्हाइट और ब्लू शर्ट में दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने ब्लेजर कैरी किया है। मां-बेटी की इस जोड़ी पर फैंस प्यार लुटा रहे हैं। यूजर्स लिख रहे हैं, 'दोनो कमाल है'। इसके अलावा नेटिजंस दोनों की बॉन्डिंग की भी तारीफ कर रहे हैं।

पति-पत्नी और वो दो का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज

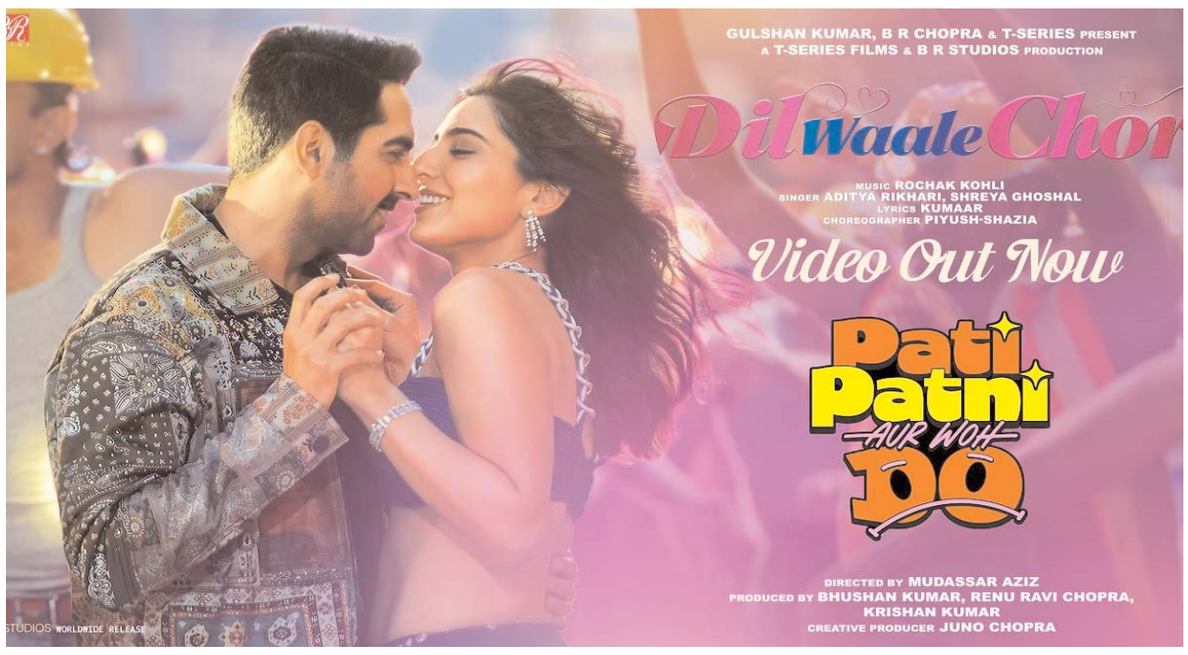

मुंबई (ए.)। अभिनेता आयुष्मान खुराना और अभिनेत्री सारा अली खान अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म पति-पत्नी और वो दो का नया गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया। रिलीज होते ही गाने ने दर्शकों के बीच धूम मचा दी है। टी-सीरीज ने इस गाने के क्लिप को अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर साझा करते हुए लिखा, इश्क दी डोरी और दिल दी चोरी दोनों एक साथ। गाना दिलवाले चोर रिलीज कर दिया गया है। यह गाना दिल को सुकून देने वाला है और इसकी संगीत लाइनें इतनी कैची हैं कि श्रोताओं को दीवाना बना रही हैं। दिलवाले चोर का संगीत आधुनिक धुनों और क्लासिक मेलोडी का एक बेहतरीन मिश्रण पेश करता है, जो इसे सभी उम्र के लोगों के लिए आकर्षक बनाता है। इस गाने को आदित्य रिखारी और श्रेया घोषाल ने अपनी मधुर आवाज दी है, जबकि कुमार ने इसके बोल लिखे हैं और रोचक कोहली ने इसका संगीत तैयार किया है। गाने में आयुष्मान और सारा अली खान के बीच की केमिस्ट्री पर्दे पर बखूबी उभर कर आ रही है, जहां वे एक-दूसरे के साथ इश्क फरमाते नजर आ रहे हैं। गाने के बोल आधुनिक रोमांस की शरारत और दिल को छू लेने वाली भावनाओं को दर्शाते हैं।

पीयूष-साजिया ने इस मेलोडी को कोरियोग्राफ किया है, जो न केवल प्यार और चाहत की कहानी बुनती है, बल्कि इसमें एक चंचल आकर्षण भी है जो दर्शकों को खुद से जोड़े रखता है। इससे पहले फिल्म का गाना रूप दी रानी भी रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया था। फिल्म पति पत्नी और वो दो में सारा अली खान और आयुष्मान खुराना के अलावा, रकुल और वामिका गब्बी भी अहम किरदारों में नजर आएंगी। यह कॉमेडी ड्रामा फिल्म प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है, जो गलतफहमियों और हास्य के साथ एक खूबसूरत प्रेम कहानी पेश करती है। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार और रेणु रवि चोपड़ा ने किया है।

सामंथा रुथ प्रभु का दिल जीतने वाला बर्थडे, फैंस के साथ मनाया खास दिन; बोलीं- 'यही है मेरा सबसे बड़ा गिफ्ट'

इस बार सामंथा रुथ प्रभु ने कोई बड़ी पार्टी नहीं रखी, बल्कि अपने फैंस के साथ वक्त बिताकर इस दिन को यादगार बना दिया। सामंथा ने अपने बर्थडे पर एक खास मीट-एंड-ग्रीट रखा, जहां उन्होंने अपने चाहने वालों से मुलाकात की। जानिए एक्ट्रेस ने अपने जन्मदिन वाले दिन क्या कुछ खास किया।

फैंस के साथ मनाया खास दिन

सामंथा रुथ प्रभु ने इंस्टाग्राम पर इस सेलिब्रेशन का एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें फैंस उन्हें 'हैप्पी बर्थडे' गाते हुए नजर आ रहे हैं, और सामंथा तीन-लेयर वाला केक काट रही हैं। इस केक पर उनकी आने वाली फिल्म 'मां इंटी बंगारम' के किरदार का कार्टून भी बना हुआ था। इस दौरान सामंथा येलो सूट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं।

वीडियो में सामंथा फैंस से हंसते-बोलते और उनके साथ फोटो क्लिक करते नजर आईं। एक छोटी फैन ने उनसे कहा, 'मैं बड़ी होकर हीरोइन बनना चाहती हूं,' जिस पर सामंथा ने मजाक में 'नहीं' कहकर सबको हंसा दिया। फैंस ने उन्हें कई प्यारे गिफ्ट्स भी दिए, किसी ने बड़ा फोटो फ्रेम दिया तो किसी ने घुटनों पर बैठकर फूल भेंट किए।

इस खास मौके पर सामंथा ने कहा, 'लोगों का साथ होना किसी भी अवॉर्ड से बड़ा गिफ्ट है।' उन्होंने इस दिन को अपना 'बेस्ट बर्थडे' भी बताया। सामंथा को उनके जन्मदिन पर कई सेलेब्स ने भी बधाई दी, जिनमें नयनतारा और अनन्या पांडे जैसे नाम शामिल हैं।

वर्कफ्रंट का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट की बात करें तो सामंथा जल्द ही फिल्म 'मां इंटी बंगारम' में

नजर आएंगी। इस फिल्म में वह एक्शन अवतार में दिखेंगी। फिल्म का निर्देशन नंदि

फिल्म का टीजर और पहला गाना 'थस्सादिया' पहले ही लोगों को पसंद आ चुका है। यह फिल्म 15 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। खास बात यह भी है कि यह फिल्म उनकी शादी के बाद पहली रिलीज होगी।

आईपीएल 2026: प्रभसिमरन सिंह ने इस सीजन में अपना चौथा अर्धशतक लगाया, जानिए उनके आंकड़े

नईदिल्ली, (आरएनएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने अपना जोरदार फॉर्म जारी रखा। उन्होंने इस सीजन के 40वें मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 59 रन की पारी खेली। यह उनके आईपीएल करियर का कुल 11वां अर्धशतक रहा। इसके साथ-साथ यह मौजूदा सीजन में उनके बल्ले से निकलने वाली चौथी 50+ रन की पारी रही। आइए उनकी पारी और आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

प्रभसिमरन ने पारी का पहला ओवर करने आए जोफा आर्चर के खिलाफ लगातार 2 चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की। दाएं हाथ के इस आक्रामक बल्लेबाज ने मुल्लांपुर स्टेडियम में विपक्षी गेंदबाजों के खिलाफ जमकर बल्लेबाजी की और 35 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। वह 44 गेंदों में 59 रन बनाकर आउट हुए। अपनी इस पारी में उन्होंने 6 चौके और एक छक्का लगाया। इस बीच उन्होंने कूपर कोनॉली (30) के साथ 59 रन की साझेदारी की। प्रभसिमरन ने आईपीएल 2026 में अब तक 8 मैचों की 7 पारियों में 57.66 की औसत और 179.27 की स्ट्राइक रेट के साथ 346 रन बनाए। इस बीच उन्होंने नाबाद 80 रन के सर्वोच्च स्कोर के साथ 4 अर्धशतक लगाए। वह पंजाब किंग्स की ओर से इस सीजन में फिलहाल सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। पंजाब किंग्स की टीम में उनके अलावा श्रेयस अय्यर ने 300+ रन बनाए हैं।प्रभसिमरन ने अपना पहला आईपीएल मुकाबला साल 2019 में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेला था। उन्होंने अब तक 59 मुकाबले खेले हैं, जिसकी 58 पारियों में 28.96 की औसत और 156.93 की स्ट्राइक रेट से 1,651 रन बनाने में सफल रहे हैं।

पीएसजी बनाम बायर्न: पेरिस सेंट-जर्मेन को मिली मामूली बढ़त

पेरिस (आरएनएस)। पेरिस सेंट-जर्मेन और बायर्न म्यूनिख के बीच खेला गया मुकाबला 5-4 के रोमांचक स्कोरलाइन के साथ समाप्त हुआ। इस मैच में दोनों ही टीमों की तरफ से बेहतरीन अटैक देखने को मिला। मैच की शुरुआत से ही लगने लगा था कि दोनों टीमें आक्रामक रुख अपनाएंगी। हैरी केन ने पेनल्टी के जरिए बायर्न को शुरुआती बढ़त दिलाई। यह बढ़त ज्यादा देर टिक नहीं सकी। ख्विचा क्वारत्सखेलिया ने शानदार, बेहतरीन कौशल दिखाते हुए बराबरी का गोल दागा।पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच लगातार जवाबी हमले होते रहे। जोआओ नेवेस के हेडर ने पीएसजी को बढ़त दिलाई, लेकिन माइकल ओलिस ने एक शानदार सोलो रन के बाद गोल कर बायर्न को फिर बराबरी पर ला दिया। हाफ खत्म होने से ठीक पहले उस्मान डेम्बेले ने पेनल्टी पर गोल कर पीएसजी को 3-2 की बढ़त दिलाई।

दूसरे हाफ में कुछ समय के लिए ऐसा लगा कि पीएसजी मैच को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले लेगा। अशरफ हकीमी के शानदार क्रॉस पर क्वारात्सखेलिया ने अपना दूसरा गोल किया, और फिर डेम्बेले ने भी एक और गोल जोड़कर स्कोर 5-2 कर दिया। इस समय पीएसजी का आक्रमण बेहद संगठित और घातक दिख रहा था। बायर्न म्यूनिख के लिए दयोत उपामेकानो ने हेडर के जरिए एक गोल किया और इसके तुरंत बाद लुइस डियाज ने शानदार स्ट्राइक लगाकर स्कोर 5-4 कर दिया। इस वापसी ने मैच को अंत तक रोमांचक बनाए रखा।

पीएसजी के कोच लुइस एनरिक ने मैच के बाद कहा कि यह मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था, जो इस खेल की गुणवत्ता को दर्शाता है। वहीं, डेम्बेले ने भी माना कि दोनों टीमें आक्रामक खेल में विश्वास रखती हैं और दूसरे लेग में भी ऐसा ही मुकाबला देखने को मिल सकता है। अब जब दोनों टीमें दूसरे लेग के लिए एलियांज एरिना में उतरेंगी, तो उम्मीद की जा रही है कि यह मुकाबला फिर से फुटबॉल प्रेमियों को एक और क्लासिक देखने का मौका देगा।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और गुजरात का मुकाबला

अहमदाबाद (ए)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में गुरुवार को गुजरात टाइटंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच मुकाबला होगा। गुजरात टाइटंस घरेलू मैदान पर लीग के इस मुकाबले में जीत दर्ज करने का प्रयास करेंगी हालांकि ये उसके लिए बेहद कठिन होगा। इस सत्र में टाइटंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है ओर उसके प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी बेहद कमजोर हैं। गुजरात की टीम अंक तालिका में 8 अंक लेकर पांचवे नंबर पर है। वहीं दूसरी ओर आरसीबी 12 अंक लेकर अंक तालिका में दूसरे नंबर पर है और जीत की प्रबल दावेदार है। रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी के पास विराट कोहली जैसे अनुभवी बल्लेबाज भी हैं जिससे टीम की बल्लेबाजी ताकत का अंदाज होता है। वहीं गुजरात की कमान शुभमन गिल के पास है। टीम में शुभमन के अलावा साई सुदर्शन जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं पर टीम के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है।

गेंदबाजी की बात करें तो आरसीबी के पास भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड और क्रुणाल पांड्या जैसे गेंदबाज हैं जबकि गुजरात के पास कासिगो रबाडा, मोहम्मद सिराज और राशिद खान जैसे खिलाड़ी हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गेंदबाजी मे दोनो ही टीमें तकरीबन बराबरी पर हैं। वहीं आंकड़ों पर पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले हुए हैं। इसमें से आरसीबी ने 4 जबकि गुजरात ने 3 जीते हैं

आईपीएल 2026 में पंजाब की पहली हार, राजस्थान ने 223 रन चेस करके 6 विकेट से दी मात

नईदिल्ली, (आरएनएस)। न्यू चंडीगढ़: इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया है. जो इस सीजन पंजाब की पहली हार भी है. श्रेयस अय्यर की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए. जवाब में राजस्थान ने 4 विकेट के नुकसान पर 19.2 ओवर में ही लक्ष्य को हासिल कर लिया।

न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 15 साल के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 16 गेंदों में 43 रन ठोक डाले, जिसमें तीन चौके और पांच छक्के शामिल थे।

अपनी इस पारी के दौरान, सूर्यवंशी ने सिर्फ 167 गेंदों में 400 रन पूरे किए. उन्होंने यह उपलब्धि 238.09 के ज़बरदस्त स्ट्राइक रेट से हासिल की, जो आईपीएल के किसी भी सीजन में किसी भी खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज गति से बनाए गए 400 रन हैं।

उसके बाद यशस्वी जायसवाल ने 27 गेंदों में 51 रन बनाए. पंजाब की तरफ से हरप्रीत बरार ने कसी हुई गेंदबाज़ी की और अपने चार ओवरों में सिर्फ 25 रन दिए, लेकिन चहल के विकेट लेने से मैच का रुख बदल गया। एक समय राजस्थान रॉयल्स को 52 गेंदों में 100 रन चाहिए थे और जरूरी रन रेट लगातार बढ़ रहा था।

इसके बावजूद, फरेरा और दुबे ने मैच का पासा पूरी तरह पलट दिया. निडर बल्लेबाज और सीमर्स को सोच-समझकर निशाना बनाते हुए, उन्होंने डेथ ओवरों में पंजाब किंग्स की गेंदबाजी की कमर तोड़ दी और यह सुनिश्चित किया कि अब और कोई विकेट न गिरे।

डोनोवन फरेरा और शुभम दुबे ने मिलकर सिर्फ 32 गेंदों में 77 रनों की नाबाद साझेदारी की. इस साझेदारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स पर छह विकेट से रोमांचक जीत दर्ज की. 14 ओवर के बाद जब मैच काफी कड़ा हो गया था और जरूरी रन रेट 12 से ज्यादा हो गया था, तब इस जोड़ी ने लक्ष्य का पीछा करना आसान बना दिया. फरेरा 26 गेंद में 52 रन बनाकर नाबाद रहे, जिसकी वजह से उनको प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया. साथ में शुभम ने 12 गेंद में 31 रनों की पारी खेली।

मैंने ठान लिया कि उन लोगों को गलत साबित करना है... श्रेयस अय्यर का बड़ा बयान

नईदिल्ली, (आरएनएस)। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने बताया कि शॉर्ट गेंदों के खिलाफ उनकी कमजोरी को लेकर हुई आलोचना उनके लिए प्रेरणा का एक बड़ा जरिया बन गई. जिसने आईपीएल 2026 के दौरान एक बल्लेबाज के तौर पर उनकी सोच और खेलने के तरीके, दोनों को आकार दिया. अय्यर ने माना कि शॉर्ट गेंदों को संभालने की उनकी काबिलियत पर उठाए गए सवालों ने उन्हें और ज्यादा मेहनत करने और अपने खेल को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

अय्यर ने बताया, लोगों ने कहा था कि मैं अपनी शॉर्ट-बॉल की समस्या कभी ठीक नहीं कर पाऊंगा. यही बात मुझे ट्रीगर कर गई, जिसके बाद मैंने ठान लिया की अच्छा प्रदर्शन करके उन्हें गलत साबित करना है. इसलिए, मैंने इस पर कड़ी मेहनत की।

अय्यर ने कहा, पहले, मैं शॉर्ट गेंद पर बस एक रन लेता था या गेंद को नीचे रखने की कोशिश करता था. लेकिन अब मेरी सोच बदल गई है और अगर मुझे अपनी रेंज में कोई शॉर्ट गेंद दिखती है, तो मैं उसे छक्के के लिए मारता हूं. मैं प्रवीण आमरे के साथ काम करता हूं. मैं बचपन से ही उनके साथ हूं. मैं अभिषेक नायर जैसे कोचों से भी बात करता हूं. हम आपस में विचार साझा करते हैं।

अय्यर ने आगे कहा, अपनी बैटिंग प्रैक्टिस के दौरान, अब मैं लगभग

50 ओवर खेलने और 300 से ज्यादा गेंदों का सामना करने की कोशिश करता हूं. इससे मुझे यह समझने में मदद मिलती है कि मेरे लिए क्या सही काम करता है. मैं किसी तय पैटर्न का पालन नहीं करता. मैं पिच पर खुद को ज्यादा समय देता हूं और असली गेंदबाजों का सामना करता हूं, न कि सिर्फ साइडआर्म थ्रो का. मैं जितने ज्यादा गेंदबाजों का सामना करता हूं, मेरा मूवमेंट उतना ही साफ होता जाता है।

तकनीकी बदलावों के अलावा, अय्यर ने मानसिक मजबूती के महत्व पर भी जोर दिया. अय्यर ने कहा, मेरे आस-पास कुछ ऐसे लोग हैं जो कहते हैं कि ऐसी स्थिति (चोटिल होने के बाद) में तुम यह नहीं कर सकते. यह नामुमकिन है. मुझे ऐसी बातें सुनना बिल्कुल पसंद नहीं है. एक क्रिकेटर के तौर पर, जो खेल के सबसे ऊंचे स्तर पर खेल रहा हो, मैं ऐसी बातें बिल्कुल भी स्वीकार नहीं कर सकता. तब मैं अपने मन में यह तय कर लिया कि मुझे उन्हें गलत साबित करना है. मेरे सामने चुनौती यह होती है कि मैं इस मुश्किल स्थिति में फंस गया था, अब मैं और ज्यादा मजबूत बनकर वापसी कैसे कर सकता हूं?

अय्यर ने कहा, मैं खुद पर और ज्यादा जोर डालता हूं और उन्हें गलत साबित करने के लिए जल्द से जल्द मैदान पर लौटने की कोशिश करता हूं. यही सोच मुझे लगातार आगे बढ़ने की हिम्मत देती है, खासकर चोट लगने के बाद. जब मुझे पीठ में चोट लगी थी, तो कुछ लोगों ने कहा था कि मैं अब कभी भी पहले जैसा नहीं बन पाऊंगा. मैंने खुद से पूछा, मैं पहले जैसा क्यों नहीं बन सकता? चोट लगने के बाद आप अपनी सोच को किस तरह ढालते हैं, यह बहुत मायने रखता है. आप खुद तय करते हैं कि आपको किस चीज पर ध्यान देना है और किस चीज को नजरअंदाज करना है।

चीन से 0-5 से हारकर भारत उबेर कप से बाहर, अब थॉमस कप पर निगाहें

होर्सेंस (डेनमार्क), (आरएनएस)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मजबूत स्थिति में होने का फायदा नहीं उठा पाई जबकि अन्य खिलाड़ियों ने भी महत्वपूर्ण मौकों पर अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिससे भारत उबेर कप में चीन से 0-5 से हारकर इस बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गया.भारतीय महिला टीम ने मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन उसके बाद उसने यूक्रेन पर 4-1 से जीत हासिल करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीद बनाए रखी थी.

उबेर कप में 16 बार के चैंपियन चीन से भारत को पिछले तीनों मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है. सिंधु ने भारत की तरफ से शुरुआत की जबकि उन्नति हुडा और तन्वी शर्मा की जगह अन्य दो एकल मुकाबलों के लिए ईशारानी बरुआ और देविका सिहाग को टीम में शामिल किया गया.सिंधु निर्णायक सेट में 18-12 से आगे थी लेकिन आखिर में वह विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग झियी से 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं. इससे चीन ने सोमवार को ग्रुप ए के इस महत्वपूर्ण मुकाबले में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली. सिंधु ने बाद में कहा, यह एक अच्छा मैच था. अगर मैं जीत हासिल करने में सफल रहती तो और भी अच्छा होता. मुझे मौके मिले, लेकिन ऐसा नहीं था कि कुछ अंक आसान थे. प्रत्येक अंक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ. हम वास्तव में प्रत्येक अंक के लिए बहुत संघर्ष कर रहे थे।

विदेश समाचार

नासा का आर्टेमिक-2 अंतरिक्ष यान चांद यात्रा पूरी कर लौटा, इंजीनियर करेंगे जांच

वाशिंगटन,(ए.)। नासा का आर्टेमिक-2 अंतरिक्ष यान अपनी ऐतिहासिक चांद यात्रा पूरी कर फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर वापस आ गया है। एक महीने पहले जिस स्थान से इस मिशन ने उड़ान भरी थी, वहीं इस मूनशिप की सुरक्षित वापसी अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह कैप्सूल, जिसमें चार अंतरिक्ष यात्री चांद के चारों ओर घूमे थे, अब केनेडी स्पेस सेंटर पर वापस आ गया है। ठीक उसी जगह जहां से इसकी ऐतिहासिक यात्रा करीब एक महीने पहले शुरू हुई थी। यह मिशन इंसानी अंतरिक्ष खोज के लिए एक बड़ा कदम है, क्योंकि 50 से ज़्यादा सालों में यह पहली बार था जब अंतरिक्ष यात्री चांद पर गए और वापस लौट आए।

ओरिऑन कैप्सूल 10 अप्रैल को प्रशांत महासागर में उतरा, जिससे अंतरिक्ष में उसका करीब 10 दिन का मिशन खत्म हो गया। उसके बाद, इसे सेनडिगो से कापे कारनेवाल तक ट्रक से बहुत सावधानी से पहुंचाया गया। अब जब यह वापस आ गया है, तो इंजीनियर इसकी बारीकी से जांच करेंगे। खास तौर पर हीट शील्ड पर ध्यान दिया जाएगा, जिसने पृथ्वी के वायुमंडल से गुजरते समय कैप्सूल को जलने से बचाया था। इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और रिसर्च के सामान समेत दूसरे हिस्सों की भी जांच की जाएगी, उनकी मरम्मत की जाएगी, या उन्हें भविष्य के मिशनों के लिए दोबारा इस्तेमाल किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक इस कैप्सूल को इसके क्रू ने इंट्रेगिरी नाम दिया था। यह अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में इतनी दूर तक ले गया, जहां तक कोई भी इंसान पहले कभी नहीं गया था। नासा के अधिकारियों के मुताबिक ऑनबोर्ड टॉयलेट में एक छोटी सी दिक्कत के बावजूद, अंतरिक्ष यान ने पूरे मिशन के दौरान बहुत अच्छा काम किया। इस यात्रा की सफलता से पता चलता है कि गहरे अंतरिक्ष की यात्रा के लिए बनाए गए सिस्टम ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं, जैसा सोचा था।

भले ही आर्टेमिक-2 खत्म हो गया है, लेकिन अगले मिशन की तैयारी पहले से ही चल रही है। आर्टेमिक-3 में एक नया कैप्सूल और एक अलग क्रू होगा। सीधे चांद पर जाने के बजाय, इस मिशन का मकसद पृथ्वी की कक्षा में डॉकिंग के तरीकों का अभ्यास करना होगा। इन टेस्ट में वे लूनर लैंडर शामिल होंगे, जिन्हें अभी निजी कंपनियां बना रही हैं।

बांग्लादेश को रूस ने बनाया परमाणु ऊर्जा संपन्न देश, एलीट क्लब में हुआ शामिल

-संयंत्र जब पूरी तरह से चालू होगा, तब बिजली उत्पादन क्षमता 2400 मेगावाट होगी

ढाका,(ए)। बांग्लादेश के ईश्वरदी उपजिला में स्थित रूपपुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र में ईंधन लोडिंग का काम शुरू हो गया है। यह इस विशाल संयंत्र को चालू करने की दिशा में बहुत अहम और ऐतिहासिक माना जा रहा है। बांग्लादेश का यह परमाणु ऊर्जा संयंत्र रूस की मदद से तैयार किया गया है। परमाणु ऊर्जा संपन्न होने का मतलब परमाणु बम बनाना नहीं है, बल्कि परमाणु ऊर्जा से बिजली पैदा करना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश काफी समय से बिजली की कमी से जूझ रहा था। अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था और उद्योगों को चलाने के लिए उसे ऊर्जा स्रोत की जरूरत थी। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए बांग्लादेश ने पबना जिले के रूपपुर में अपना पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने का फैसला किया। इस प्रोजेक्ट को बनाने का ठेका रूस की सरकारी परमाणु कंपनी को दिया गया। अक्टूबर 2023 में रूस ने इस प्लांट के लिए यूरेनियम की पहली खेप बांग्लादेश को सौंप दी। इसके साथ ही बांग्लादेश दुनिया का 33वां ऐसा देश बन गया जिसके पास परमाणु ऊर्जा से बिजली बनाने की क्षमता है।इस प्लांट में 1200-1200 मेगावाट के दो रिएक्टर लगे हैं। 12 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा की लागत वाली यह परियोजना रूस की वित्तीय और तकनीकी सहायता से पूरी की जा रही है। पद्मा नदी के तट पर स्थित यह संयंत्र जब पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो इसकी कुल बिजली उत्पादन क्षमता 2400 मेगावाट होगी।

48 घंटे तक नहीं धड़का दिल, फिर उठकर बैठ गया शख्स, डॉक्टर ने बताया, कैसे हुआ चमत्कार

बीजिंग(ए.) । चीन में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक व्यक्ति लगभग 40 घंटे तक दिल की धड़कन बंद रहने के बावजूद जिंदा बच गया। इस घटना ने आधुनिक चिकित्सा तकनीकों, खासकर लाइफ सपोर्ट सिस्टम को लेकर नई बहस छेड़ दी है।यह मामला झेजियांग यूनिवर्सिटी मेडिकल स्कूल के दूसरे संबद्ध अस्पताल से सामने आया, जहां इमरजेंसी डॉक्टर लू जिओ ने इसे सोशल मीडिया पर साझा किया। उनके मुताबिक, करीब 40 वर्षीय व्यक्ति को दिल का दौरा पड़ा था और कई बार इलेक्ट्रिक डिफिब्रिलेशन के बावजूद दिल दोबारा नहीं धड़क सका।आखिरकार डॉक्टरों ने मरीज को एक्स्ट्राकॉर्पोरियल मेम्ब्रेन ऑक्सीजनेशन पर रखा। यह मशीन कृत्रिम हृदय और फेफड़ों की तरह काम करती है—खून में ऑक्सीजन पहुंचाती है और कार्बन डाइऑक्साइड बाहर निकालती है। डॉक्टरों के अनुसार, इस तकनीक की मदद से मरीज को लगभग दो दिन तक जीवित रखा गया, जबकि उसका दिल धड़क नहीं रहा था।रिपोर्ट्स के मुताबिक, इससे पहले भी ECMO तकनीक ने कई गंभीर मरीजों की जान बचाई है। पिछले साल हुबेई प्रांत में एक महिला को दिल रुकने के पांच घंटे बाद जीवित किया गया था, जबकि 2022 में जियांग्सू में एक अन्य महिला को 96 घंटे तक हार्टबीट बंद रहने के बावजूद बचाया गया।

'ईरान कमजोर स्थिति में है, नाकाबंदी हटाने के लिए गिड़गिड़ा रहा'.., ट्रंप का नया दावा

नई दिल्ली (ए.) । ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के बीच अब मामला बातचीत तक पहुंचता दिखाई दे रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति ने दावा किया है कि ईरान कमजोर स्थिति में है और उसने वॉशिंगटन से अपने बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी हटाने की मांग की है। हालांकि, उन्होंने इस संबंध में कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि ईरान की नेतृत्व व्यवस्था में आंतरिक मतभेद हैं, जिससे यह स्पष्ट नहीं है कि वहां अंतिम निर्णय कौन ले रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का यह बयान ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, ताकि उसे अमेरिकी शर्तों पर बातचीत के लिए मजबूर किया जा सके। ट्रंप ने कहा कि ईरान लंबे समय से Strait of Hormuz को खोलने की मांग करता रहा है, लेकिन अमेरिका के लिए मुख्य चिंता ईरान का परमाणु कार्यक्रम है। सूत्रों के अनुसार, ईरान ने हाल ही में एक प्रस्ताव भेजा है, जिसमें पहले होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने और बाद में परमाणु मुद्दे पर चर्चा करने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव पर अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम विचार कर चुकी है।दूसरी ओर, Lebanon के दक्षिणी हिस्से में हालात अभी भी तनावपूर्ण बने हुए हैं। युद्धविराम के बावजूद Israel की ओर से लगातार हवाई हमले किए जा रहे हैं। कुछ हमले उन क्षेत्रों से आगे भी हुए हैं, जिन्हें इज़राइल येलो लाइन कहता है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, एक हमले में पांच लोगों की मौत हुई है, जिनमें तीन सिविल डिफेंस कर्मचारी शामिल हैं, जबकि लेबनानी सेना के दो जवान घायल हुए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे युद्ध अपराध करार दिया है।

पाकिस्तान के पास नहीं बचा तेल, पेट्रोलियम मंत्री ने भारत से तुलना कर बयां किया दर्द

इस्लामाबाद (ए.)। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और बढ़ते तनाव ने न केवल वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर दिया है, बल्कि कई देशों की अर्थव्यवस्था को घुटनों पर ला दिया है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली मलिक ने एक चौंकाने वाला खुलासा करते हुए देश की चरमराई व्यवस्था की पोल खोल दी है। उन्होंने स्वीकार किया कि पाकिस्तान के पास एक दिन का भी रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसपीआर) नहीं बचा है, जो किसी भी आपातकालीन स्थिति में देश की जीवन रेखा होता है।

एक साक्षात्कार के दौरान अली मलिक ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में पाकिस्तान के पास केवल पांच से सात दिनों का ही वाणिज्यिक कच्चा तेल उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के पास मौजूद रिफाइंड उत्पाद भी अधिकतम 20 से 21 दिनों तक ही चल सकते हैं।

ग्राम शेखपुरा में बिजली विभाग की लापरवाही से किसान को लाखों का नुकसान

दो दिनों में दो बार लगी आग

सीहोर (निप्र)। सीहोर जिला मुख्यालय के ग्राम शेखपुरा में बिजली विभाग की लापरवाही के कारण किसान राम सिंह गौर को भारी नुकसान उठाना पड़ा। दिनांक 27 अप्रैल 2026 को किसान राम सिंह गौर के खेत में बिजली लाइन से निकली चिंगारी के कारण अचानक आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि खेत में खड़े दो ट्रैक्टर, आर्मेचर एवं अन्य कृषि सामग्री जलकर नष्ट हो गये। जिससे पीड़ित किसान का लगभग 25 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है।

इस घटना के बाद भी बिजली विभाग द्वारा कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई। विभाग की लापरवाही का खामियाजा किसान को दोबारा भुगतना पड़ा। दिनांक 29 अप्रैल 2026 को फिर से रामसिंह गौर के खेत में आग लग गई, जिसमें उनका पूरा भूसा जलकर राख हो गया।

आग बुझाने के प्रयास में किसान राम सिंह गौर के बड़े बेटे को भी हाथ और पैरों में चोटें आई हैं। लगातार दो घटनाओं के बावजूद अभी तक प्रशासन और बिजली विभाग की ओर से कोई राहत या मुआवजा नहीं दिया गया है।गांव के लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए तथा पीड़ित किसान को तत्काल उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ग्रामीणजनों ने चैतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो ग्रामीण आंदोलन करने के लिए मजबूर होगें।

हर एक पंजीकृत किसान से गेहूं खरीदी सुनिश्चित की जाए, किसानों की समस्याओं का करें तत्काल समाधान- कलेक्टर

कलेक्टर की अध्यक्षता में उपार्जन समिति की बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। जिले में अभी तक गेहूं उपार्जन की समीक्षा एवं आगामी उपार्जन कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा जिला उपार्जन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर बालागुरु के ने बताया गया कि गेहूं उपार्जन की तारीख बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है। उन्होंने सभी अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि उपार्जन कार्य में किसानों को किसी भी तरह की परेशानी ना आए और हर एक पंजीकृत किसान से गेहूं की खरीदी की जाना सुनिश्चित करें । बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि उपार्जन केंद्रों पर साफ-सफाई, पेयजल, छाया और किसानों के बैठने की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि किसानों को कोई परेशानी न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि संबंधित अधिकारी उपार्जन केंद्रों का सतत निरीक्षण करें, ताकि खरीदी कार्य बिना किसी बाधा के संचालित हो सके। कलेक्टर बालागुरू के. ने निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर स्लॉट बुकिंग के आधार पर किसानों को निर्धारित समय पर ही बुलाया जाए, जिससे अनावश्यक भीड़ से बचा जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि गेहूं खरीदी निर्धारित मापदंडों के अनुसार ही की जाए और गुणवत्ता से समझौता न हो।

संतान को कार दो ना दो संस्कार जरूर देना-पं.मोहितरामजी

सीहोर (निप्र)। संस्कार के बिना मानव जीवन व्यर्थ आप आपकी संतान को कार नहीं दोगे तो वह एक दिन रोएगा और संस्कार नहीं दोगे तो वह जीवन भर रोएगा। उक्त अधिकार ग्राम बड़ी कुलास वर्मा कृषि फार्म सीहोर पर धर्म रक्षक संत मंदिर जीणोद्धारक संत श्री श्री 1008 पंडित दुर्गा प्रसाद जी कटारे बाबा के सानिध्य में चल रहे शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा यज्ञ एवं श्री नर्वदेश्वर शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस कथा व्यास परम गौभक्त क्रांतिकारी राष्ट्रीय संत पंडित मोहितरामजी पाठक ने व्यक्त किए आज कथा के दौरान भगवान गणेश के जन्म की कथा का वर्णन करते हुए सनातन धर्म में 16 संस्कारों का महत्व बताया,सनातन धर्म में संस्कारों का बड़ा महत्व, हमारे यहां हर एक कार्य संस्कार एवं संस्कृति विधि विधान से किया जाता हैं सनातन धर्म में 16 संस्कार का वर्णन है इन्हीं संस्कारों की वजह से सनातन धर्म अनादि काल से चला रहा है भगवान गणेश की जन्म कथा पद्म पुराण के अनुसार एक बार श्री पार्वती जी ने अपने शरीर के उबटन से एक आकर्षक कृति बनाई, जिसका मुख हाथी के समान था।

कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाइन सेंटर में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 22 जून तक

सीहोर (निप्र)। मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी (संस्कृति परिषद) द्वारा संचालित कैलीग्राफी एवं ग्राफिक डिजाइन सेंटर में सत्र 2026-28 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। प्रवेश के लिए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 22 जून 2026 निर्धारित की गई है। इस दो वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष कैलीग्राफी और द्वितीय वर्ष ग्राफिक डिजाइन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी अकादमी से निर्धारित आवेदन पत्र प्राप्त कर कार्यालय समय में जमा कर सकते हैं। सीटें सीमित होने के कारण अंतिम तिथि के पूर्व ही आवेदन प्रक्रिया पूर्ण हो सकती है।

मुख्यमंत्री ने जिले के 44,752 पेंशन हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से अंतरित की 26 लाख रुपये से अधिक की राशि

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सामाजिक न्याय विभाग द्वारा संचालित पेंशन योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश के 33.45 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों के खाते में 200.71 करोड़ रुपये से अधिक की राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरित की। प्रदेश के साथ ही उन्होंने सीहोर जिले के 44,752 पेंशन हितग्राहियों के खाते में 26 लाख 85 हजार रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर सीहोर कलेक्ट्रेट के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर बालागुरू के. और जिले के पेंशन हितग्राही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राशि अंतरण कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान कलेक्टर बालागुरू के. ने जिले के अनेक पेंशन हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। इस दौरान उपस्थित पेंशन हितग्राहियों को पेंशन हस्तांतरण राशि का प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए कलेक्टर बालागुरू के. ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित पेंशन योजनाएं समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के लिए महत्वपूर्ण सहारा हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी पात्र हितग्राहियों को समय पर पेंशन का लाभ सुनिश्चित किया जाए और कोई भी पात्र व्यक्ति योजना से वंचित न रहे। कलेक्टर ने हितग्राहियों से भी अपील की कि वे योजनाओं की जानकारी अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक लोग शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ ले सकें। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर एवं प्रभारी अधिकारी रविन्द्र परमार, सहायक संचालक महेश यादव सहित हितग्राही उपस्थित थे।

आज किया जाएगा श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में विशाल भंडारा

लगातार पांच दिनों तक किया गया भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ

सीहोर (निप्र)। शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी नृसिंह जयंती आस्था और उत्साह के साथ मनाई जाएगी। इसके लिए कई सालों बाद श्री-श्री 1008 महामंडलेश्वर महंत रामभूषण दास महाराज के मार्गदर्शन में सैकड़ों की संख्या में साधु-संतों ने मंदिर परिसर में जारी पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दर्शन किए है। वहीं गुरुवार को सुबह नृसिंह भगवान का पूजन, नित्य पूजन, हवन और पूर्णाहुति के पश्चात शाम को छह बजे से भव्य भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें करीब 25 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी का वितरण किया जाएगा। दो दिवसीय नृसिंह कथा का आयोजन पंडित हर्षित शास्त्री के द्वारा किया गया था। इस मौके पर संत माधव दास महाराज, मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय सहित मंदिर परिसर में पहुंचे श्रद्धालुओं ने स्वागत सम्मान किया।

बुधवार की सुबह संत माधव दास महाराज, मुख्य यजमान श्रीमती नमिता अखिलेश राय, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास, सन्नी सरदार सहित अन्य ने यहां पर भगवान का दूध और दही से यज्ञ किया। इस मौके पर संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि यज्ञ भारतीय संस्कृति में जीवन जीने की एक पद्धति है, जो शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय शुद्धि लाती है। यह वातावरण को कीटाणुरहित करने के साथ-साथ मानसिक शांति, रोगमुक्ति, और आत्मिक प्रगति प्रदान करता है। यज्ञ से दुराचारों का नाश होता है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जिससे आत्मिक सुख व सात्विकता बढ़ती है। यज्ञ की अग्नि में स्वाहा करने का भाव हमारे अहंकार और कुविचारों को भस्म करता है, जिससे त्याग और सेवा की भावना विकसित होती है। सनातन धर्म में विभिन्न अवसरों पर यज्ञ किया जाता है जैसे बच्चे के जन्म पर, त्योहारों पर, गृह प्रवेश के समय या किसी शुभ कार्य के दौरान।

हनुमान फाटक धाम पर चला ऑपरेशन सीवन

सीहोर (निप्र)। बुधवार के दिन जारी रहा और ऐतिहासिक दिन साबित हुआ जलकुंभी का पूरी तरह कर दिया नाशवही करवला के पुल के मोहरे खोल दिए गए,जहां से सीवेज का एवं गंदा बदबूदार पानी निकल गया ।

सीवन योद्धाओं ने जलकुंभी निकाल कर एक स्वच्छ कुंड तैयार कर दिया जिसका पानी सीवेज का नहीं होकर वह पानी है जिसे आराम से पशु पक्षी जीव जंतु ग्रहण कर सकते हैं ,आज फिर सुबह से ही सिवान पुत्र सिवन योद्धा पहुंच गए 27 में दिवस में हनुमान पाठक धाम जहां पर लिया गया कि पुल के ऊपर का क्षेत्र पूरी तरह से जलकुंभी मुक्त कर दिया, दोपहर तक आते-आते सफलता मिलने लगी और शाम 5:00 बजे तक पूरी तरह से जलकुंभी मुक्त जलाशय को बना दिया जहां पर आराम से पशु पक्षी जीव जंतु अपने प्यास स्वच्छ पानी से बुझा सकते हैआज एक और महत्वपूर्ण नगर पालिका के कर्मचारियों द्वारा लिया गया कि कर्बला के पल के मोहरो को खोल दिया गया जहां से शिवेश का बदबूदार हुआ गंदा पानी भाकर निकलता रहा और अब पूरी तरह से उम्मीद की किरण जाग चुकी है सरकारी मशीन सीवन की गोद में होगी और सिवन का पूर्ण गहरीकरण,सौंदर्य करण सीवन मूल स्वरूप में जरूर लौटेगी कहीं ना कहीं यह सपना सीवन पुत्र का साकार होता हुआ। सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया कि आज खुशी का दिन है जो सपना सीवन पुत्र ने देखा वह सरकार होता हुआ नजर आ रहा हैशाम 5:30 बजे सिवान योद्धाओं का सम्मान रखा गया जिसमें जिम ट्रेनर कान्हा कुशवाहा पहुंचे उन्होंने सभी सेवन योद्धाओं का स्वागत व सम्मान किया।सीवन पुत्र के रूप में कनीराम मालवीय, प्रकाश,यादव,मुकेश राय, राजकुमार सोनी, जगदीश वर्मा, कैलाश चाव्हाण, अशोक खत्री, संजय शाक्य, अरुण चावड़ा, वैभव राठौर, शुभम चौरसिया,अखिल दास, सुरेश सिंह आदि उपस्थित रहे।

कुबेरेश्वरधाम पर प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं के लिए खुला मंदिर, भगवान के दर्शन को पहुंचे हजारो श्रद्धालु

चारों युगों का दर्शन एक ही मंदिर में वह है कुबेरेश्वरधाम पर मुरली मनोहर मंदिर

सीहोर (निप्र)। बुधवार को जिला मुख्यालय के समीपस्थ प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम सिद्धपीठ में स्थित काठमांडू शैली में नवनिर्मित भगवान मुरली मनोहर में स्थित भगवान शिव-पार्वती, भगवान राम-सीता और भगवान मुरली मनोहर की एक साथ प्राण प्रतिष्ठा के बाद भगवान का दरबार अब श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद की शाम को प्रभु के दर्शन के लिए भारी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में उमड़े, हजारों की संख्या में भगवान के दर्शन करने पहुंचे श्रद्धालु अपने आराध्य के दर्शन को आतुर दिखाई दिए मंदिर और भगवान के दर्शन के लिए मुंबई, दिल्ली समेत भारत के कई राज्यों से लोग धाम पर पहुंचे थे। सुबह अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया था। स्वयं पंडित श्री मिश्रा गत 25 अप्रैल से बुधवार तक मंदिर में पूरे पूजन में शामिल रहे, पूजन की एक-एक प्रक्रिया का विधिवत अर्चन किया। स्वर्ण आभूषणों से सुसज्जित भगवान की मूर्ति आकर्षित करने वाली थी।

हर युग की झलक दिखाई देती मंदिर परिसर में

इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि धाम की पावन भूमि जहाँ विराज मान है सिद्ध पीठ श्री कुबरेश्वर धाम मुरली मनोहर मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का सादगी और आस्था के साथ समापन किया गया है। पूरे भारत की भूमि का मात्र एक ऐसा स्थान कुबरेश्वर धाम जो बारह ज्योतिर्लिंग के मध्य है यहां आने वाले शिव भक्त कंकर शंकर की पूजन करके भगवान देव महादेव की अनुपम कृपा प्राप्त करते है उसी पवित्र भूमि पर मुरली मनहोर मंदिर एक ऐसा मंदिर जहां सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग का एक साथ दर्शन इस कलियुग में केवल एक ही जगह पर होगा वो हे श्री कुबरेश्वर धाम इस बाबा कुबेर भण्डारी की पवित्र भूमि पर मुरली मनोहर मंदिर के कपाट सभी शिव भक्ति के लिए अब खुले रहेगे।

बुधवार को सुबह अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में सवा लाख से अधिक वैदिक मंत्रों में बड़ी संख्या में विप्रजनों की उपस्थिति में पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा सहित समिति की ओर से यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया। वहीं दोपहर में शीतल पेयजल आदि निशुल्क रूप से वितरण किया गया।

कलियुग में कथा और सत्संग अमृत के समान

कलियुग में कथा और सत्संग अमृत के समान है जिनके सुनने मात्र से जीव को धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों की प्राप्ति हो जाती है। जिस भी कामना को लेकर इस कथा का श्रवण श्रद्धा भक्ति विश्वास के साथ किया जाता है वह कामना अवश्य पूरी होती है। भगवान के अवतार के कारण अनेक होते हैं।

भैरुंदा पुलिस ने तेज आवाज बजा रहे 02 डीजे पर कार्यवाही की

दोनों डीजे कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत किए गए ज़प्त

संजय कलमोर (भेरूंदा, नसरुल्लागंज)। पुलिस अधीक्षक सीहोर दीपक कुमार शुक्ला के द्वारा समस्त अधिकारीगण को अवैध रूप से तेज गति से बजने वाले डीजे और अन्य अवैध गतिविधियो पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था इन्हीं निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुनीता रावत व एसडीओपी भेरुंदा के मार्गदर्शन में दिनांक 29/04/26 को भैरुंदा क्षैत्र में तेज ध्वनी में चल रहे डीजे पर मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 7/15 के तहत कार्यवाही की गईद्य पुलिस की टीम द्वारा तेज ध्वनी में चल रहे डीजे वाहन क्रमांक M P 13 G A 6736 जिसपर डीजे व मिक्सर व सेटअप लगा हुआ था के संचालक नाम पता पूछने पर अपना नाम गोलु पिता रमेश चन्द्र अटेरिया निवासी बालागांव का होना बताया व दूसरे डीजे वाहन क्रमांक M P 04 ZK 5193 जिसपर डीजे व मिक्सर व सेटअप लगा हुआ था दूसरे के संचालक से पूछताछ करने पर निवासी ग्राम रेहटी का होना बताया जिनसे डीजे चलाने के संबंध मैं वैध कागजात व अनुमति चाही गई जो बिना अनुमति के तेज आवाज में चलाते हुये पाये जाने पर दोनो डीजे संचालको पर मध्य प्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम की धारा 7/15 के तहत कार्यवाही की जाकर दोनों डीजे को ज़प्त किया गया।

बसपा के प्रदेश अध्यक्ष इजी. रमाकांत पिप्पल सीहोर में आज करेंगे संगठन समीक्षा

सीहोर (निप्र)। जिले में लगातार बढ़ रहे बहुजन समाज पार्टी के जनाधार और पार्टी को और अधिक मजबूती देने के लिए आज दिनांक 30 अप्रैल को बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर रमाकांत पिप्पल पार्टी संगठन की समीक्षा करेंगे बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष संजीव बौद्ध में जानकारी देते हुए बताया कि आज दिनांक 30 अप्रैल 2026 सुबह 11:00 बजे बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर रमाकांत पिप्पल जी बस स्टैंड स्थित श्री कृष्णा पैलेस अरोरा पेट्रोल पंप के पास में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है जिसमें पार्टी संगठन को मजबूत बनाने संगठन की समीक्षा करेंगे , कार्यक्रम में विशेष तिथि के रूप में एडवोकेट कमलेश कुमार जॉन प्रभारी बसपा सागर रहेंगे एवं बसपा जिला कमेटी के सभी पदाधिकारी एवं सदस्य और सीहोर इछावर बुधनी आष्टा विधानसभाओं के विधानसभा कमेटी के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहेंगे। दिर हैं जहां चारों युगों सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग के प्रतीक, देवता या अवतार एक साथ दर्शन देते हैं।

कांकडख़ेड़ा अल्फा प्रोटीन फैक्टरी में भारी मात्रा में मिला गौवंश का चमड़ा

कांग्रेसजनों ने फेक्ट्री प्रबंधन/संचालक के खिलाफ किया जमकर प्रदर्शन

भाजपा के राज में हिन्दुओं की धार्मिक भावनाओं और आस्था के साथ हो रहा है खिलवाड़-राजीव गुजराती

सीहोर। सीहोर जिला मुख्यालय के पास कांकडखेडा स्थित अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री एक बार फिर बड़े विवादों के घेरे में है। आकाओं से संरक्षण प्राप्त अल्फा प्रोटीन फैक्टरी में धड़ल्ले से गौरख धन्धा चल रहा है। विगत् दिनों फेक्ट्री में भारी मात्रा में गौवंश का चमड़ा पाया गया। जिसके विरोध में बुधवार को जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में स्थानीय कोतवाली चौराहे पर फेक्ट्री प्रबंधन एवं संचालक के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ता हाथ में फेक्ट्री के विरोधात्मक स्लोगन की तकती लिये फेक्ट्री के खिलाफ जमकर नारे बाजी करते नजर आये। वहीं फेक्ट्री संचालक आशीष गोयल के चित्र को आग के हवाले किया गया। इस मौके पर राजीव गुजराती ने कहा कि फैक्ट्री की कार्यप्रणाली न केवल पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं और धर्म को भ्रष्ट करने का कारण भी बन रही है। मामला फैक्ट्री में गोवंश के चमड़े के उपयोग और बिना ट्रीटमेंट के छोड़े जा रहे गंदे पानी से जुड़ा है। अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री के पास गंदे पानी की निकासी के लिए कोई ट्रीटमेंट प्लांट नहीं है। सालों से फैक्ट्री से निकलने वाला केमिकल युक्त, बदबूदार और पशुओं के अवशेषों (पाड़े व अन्य चमड़े) वाला पानी सीधे नजदीकी खेतों में छोड़ा जा रहा है।

यही गंदा और अशुद्ध पानी सब्जियों, गेहूं और दाल की फसलों में जा रहा है। इछावर के लोग इन्हीं खेतों में उगी सब्जियां और अनाज खा रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिस अनाज और सब्जी को खाकर वे अपनी धार्मिक शुद्धता बनाए रखते हैं, उसमें चमड़े युक्त गंदा पानी मिलना सीधे तौर पर धर्म को भ्रष्ट करने जैसा है। साथ ही यहाँ से निर्मित प्रोटीन के उपयोग से युवाओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।स्थानीय किसानों ने शिकायत की है कि फैक्ट्री के मालिक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, जिसके कारण प्रदूषण विभाग और प्रशासन सालों से शिकायतों के बावजूद मौन साधे हुए है। फैक्ट्री के पीछे वाले खेतों में फैल रही बदबू और गंदे पानी ने किसानों का जीना मुहाल कर दिया है और अब यह मुद्दा धार्मिक आस्था से जुडज़ाने के कारण लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।श्री गुजराती ने आगे कहा कि कांकडखेड़ा स्थित अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री में चमड़े से भरा हुआ ट्रक पकड़ा है। आज दो दिन होने वाले हैं अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। अल्फा प्रोटीन फैक्ट्री की जांच होना चाहिए, फैक्ट्री में निरंतर अवैध कार्य हो रहे हैं आप देखेंगे कि ना तो एनजीटी के नियमों का फॉलो किया जा रहा है और ना ही पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का। गोवंश के चमड़े मिलना इस भारतीय जनता पार्टी की सरकार में भोपाल और का दूसरा सीहोर क्षेत्र का कांड है आप सोच सकते हैं कि भाजपा की सरकार में गौ-माता की क्या हालत हो गई है, यह चिंतनीय विषय है। कांग्रेस पार्टी सरकार और प्रशासन से मांग करती हैं कि फैक्ट्री के प्रबंधन एवं संचालक के विरूद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज हो और उच्च स्तरीय टीम गठित कर इसकी निष्पक्ष पूरी जांच हो और इस मामले में कौन-कौन लिप्त और किस-किस का संरक्षण है, इसका भी खुलासा हो।इस अवसर पर प्रमुख रूप से विवेक राठौर, प्रीतम दयाल चौरसिया, राजेंद्र वर्मा, राजाराम बड़े भाई, डॉ. अनीस खान, नरेंद्र खंगराले, प्रेम नारायण परमार, घनश्याम मीणा, मुनव्वर मामू, मनोज पटेल, हसीन कुरैशी,के.के. रिछारिया, भगत सिंह तोमर, संतोष मालवीय, गजराज परमार, अजय रैकवार, विनीत गोयल, मनीष मेवाड़ा, हरिओम सिसोदिया, सोनू विश्वकर्मा, तनिष्क त्यागी,लक्की सक्सेना, यश यादव, विकास विश्वकर्मा, शुभम त्यागी, दिव्यांश, जतिन, ओम सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com